रांची, बुधवार
18.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 79 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिला में मंगलवार को 22 सक्रिय माओवादियों ने शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण किया है। यह जानकारी एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने दी। सभी माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सुकमा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला माओवादी भी शामिल है, जो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी। एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि नक्सल मुक्त अभियान बस्तर के तहत जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है।इससे माओवादी संगठन समाप्ति की ओर है। विकासात्मक कार्य सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहुंचाया जा रहा है साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की ह्यह्यछत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीतिह्लह्ल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस द्वारा ह्यह्यपूना मारगेमह्लह्ल पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान संचालित किया जा रहा है। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी संगठन कमजोर पड़ता जा रहा है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा का पांच दिवसीय भारत दौरा आज से

नई दिल्ली : ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा बुधवार को भारत की पांच यात्रा पर यहां पहुंच रहे हैं और इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय रणनीतिक समझौते करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री दा सिल्वा भारत की सरकारी यात्रा पर आएंगे और वह भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए वार्ता करेंगे। इस वार्ता में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रपति दा सिल्वा के इस दौरे के दौरान ऊर्जा, नागरिक उड्डयन, महत्वपूर्ण खनिज और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। राष्ट्रपति दा सिल्वा अपनी भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलेंगे। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति ने इस दौरान उनके सम्मान में भोज का आयोजन भी करेंगी। श्री दा सिल्वा इस दौरान उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र आज से

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी (बुधवार) से प्रारंभ होने जा रहा है। सत्र के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित संचालन को लेकर मंगलवार को विधानसभा परिसर में अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने बताया कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चले, इसके लिए सभी दलों के नेताओं एवं संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सदन में प्रस्तुत किए जाने वाले विधेयकों, प्रतिवेदनों और अन्य कार्यों से संबंधित सामग्रियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लंबित प्रश्नों के उत्तर समय पर उपलब्ध कराए जाएं, इसके लिए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

बैठक में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और विधि-व्यवस्था की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष ने सभी दलों से अपील की कि इन महत्वपूर्ण विषयों पर सदन में गंभीर और सार्थक चर्चा हो, ताकि जनहित से जुड़े मुद्दों का प्रभावी समाधान निकल सके।

अध्यक्ष महतो ने बताया कि 23 फरवरी को झारखंड में नगर पंचायत चुनाव निर्धारित है। ऐसे में संसदीय कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया जाएगा कि 23 फरवरी को सदन की कार्यवाही स्थगित रखी जाए, ताकि सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में चुनावी दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

उन्होंने सभी दलों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदन का व्यवस्थित संचालन अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों की सकारात्मक भूमिका जरूरी है।

सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के प्रतिनिधि तथा कांग्रेस विधायक दल के नेता सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य उपस्थित रहे।

सत्ता पक्ष के विधायक दल की बैठक संपन्न, बजट सत्र को लेकर बनी रणनीति

रांची। झारखंड विधानसभा के पंचम (बजट) सत्र की तैयारियों को लेकर रांची के डॉ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में सत्ता पक्ष के विधायकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने किया। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में मंत्रियों और विधायकों को निर्देश दिया गया कि वे सदन में पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहें। सत्ता पक्ष सत्र के दौरान पूरी मजबूती और समन्वय के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले हर उचित सवाल का तथ्यों और तैयारी के साथ जवाब दिया जाएगा। बैठक में विधायी कार्यों के सुचारू संचालन और सरकार की प्राथमिकताओं को प्रभावी ढंग से रखने पर भी चर्चा हुई। बैठक में मंत्री एवं विधायक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि षष्टम झारखंड विधानसभा के पंचम (बजट) सत्र 18 फरवरी से 19 मार्च तक चलेगा। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर निषेधाज्ञा लागू की गई।

इमैनुएल मैक्रों के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले पीएम मोदी

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक जायेगा भारत में बना हेलिकॉप्टर

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस को भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक बताते हुए मंगलवार को कहा कि इस विश्वास को आगे बढाने के लिए दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का निर्णय लिया है जिसके तहत दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस ने लोगों और कंपनियों को दोहरे कराधान से बचाने के लिए भी समझौता किया है।

इसके साथ ही भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू करेंगे। उन्होंने दुनिया में अनिश्चिता के दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत बताया। मोदी ने यहां फ्रांस के राष्ट्रपति एनैमुअल मैक्रों के साथ शिष्टमंडल स्तर और द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में ये घोषणाएं की। प्रधानमंत्री ने कहा ,₹ भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष हैं। फ्रांस भारत के सबसे पुराने साझेदारों में से एक है और राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है।₹ उन्होंने कहा कि इसी विश्वास और साझा विजन के आधार पर दोनों देश अपने संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , ₹हमें गर्व है कि, भारत और फ़्रांस मिलकर, माउंट एवरेस्ट की ऊँचाइयों तक उड़ान भरने वाला, विश्व का एकमात्र हेलिकॉप्टर भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को निर्यात करेंगे यानि भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की कोई सीमा नहीं है यह महासागर की गहराई से लेकर उंची चोटी तक पहुंच सकती है।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत और यूरोप के संबंधों में एक निर्णायक मोड़ है और इस वर्ष हमने यूरोपीय संघ के साथ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौता किया। उन्होंने कहा कि आपसी निवेश को बढावा देने के लिए आज हम समझौता कर रहे हैं जिससे हमारे लोगों और कंपनियों को दोहरा कर न देना पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी पहलों से निवेश, व्यापार तथा आवागमन को नयी ऊर्जा मिलेगी और यही साझा समृद्धि का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे साथ ही भारत-फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ये मात्र संस्थान नहीं हैं ये भविष्य का निर्माण करने वाले प्लेटफार्म हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनिश्चतता के इस दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत है।

मुख्यमंत्री से मिला विदेशी विश्वविद्यालयों के विद्वानों का प्रतिनिधिमंडल, विजन को सराहा

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को डॉ. रेजिना हांसदा , डॉ. रिचर्ड टोप्पो , सुश्री माधुरी खलखो , रूबी हेंब्रम तथा नोलीना मिंज ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच एवं शिक्षा के प्रति दृढ़ विजन के फलस्वरूप राज्य के मेधावी बच्चे विदेशों में झारखंड का परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा के दौरान मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा परदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे राज्य के मेधावी छात्रों से मुलाकात एक सराहनीय पहल साबित हुई, जिससे राज्य के बच्चों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि 2050 तक इस योजना के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चे विदेश में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान प्राप्त करें तथा राज्य का मान-सम्मान बढ़ाएं। उन्होंने गुरुजी के सपनों को साकार करने हेतु राज्य के आदिवासी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने एवं पीएचडी तथा रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की अपील की। मौके पर मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के बाद आज प्रदेश के आदिवासी छात्र ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे हैं। हमारी सोच है कि झारखंड के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। वर्तमान में प्रतिवर्ष 25 छात्र मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा परदेशीय छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठा रहे हैं। आने वाले दिनों में लाभुक छात्रों की संख्या में वृद्धि के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सभी स्कॉलर्स को शुभकामनाएं दीं तथा उनका आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने की वासेपुर में भगोड़े प्रिंस खान के घर की कुर्की

बिभा संवाददाता

धनबाद। शहर के वासेपुर इलाके में मंगलवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के घर पहुंची। कोर्ट के आदेश पर कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह कार्रवाई की गई।

वासेपुर स्थित कमर मखदूमी रोड पर सुबह से ही हलचल तेज हो गई थी। पुलिस वाहनों के पहुंचते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुटने लगी। प्रशासन की टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किया गया। विधि-व्यवस्था प्रभारी नौशाद आलम, बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार और भूली ओपी प्रभारी अभिनव कुमार अपने-अपने दलबल के साथ मौके पर मौजूद थे।

कोर्ट से जारी कुर्की-जब्ती के आदेश के तहत पूर्व की कार्रवाई में कुछ हिस्से अधूरे रह गए थे। उसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मंगलवार को दोबारा टीम पहुंची। इस दौरान घर की छत पर लगा शेड उखाड़कर जब्त कर लिया गया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई। कार्रवाई के दौरान इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। वहीं विधि व्यवस्था डीएसपी नौशाद आलम ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के आवास पर छापेमारी की कार्रवाई की गई है।

एआई भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाएगा : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की तकनीकी प्रगति की यात्रा में नया अध्याय जोड़ेगा और देश को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

भारत मंडपम में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित पुशिंग द फ्रंटियर ऑफ एआई इन इंडिया विषयक विशेष सत्र में प्रधान ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारत में एआई के विकास को प्रोत्साहित करना और वैश्विक मंच पर देश की क्षमता को प्रदर्शित करना है। भारत तीव्र गति से एआई को अपनाते हुए वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

प्रधान ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में एआई का उपयोग और एआई आधारित शिक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं। आज की युवा पीढ़ी नई सोच और नवाचार की क्षमता से परिपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से एआई को अपनाने, इसके माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाने और नए समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं के प्रयास ही भारत को वैश्विक एआई मानचित्र पर अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप शिक्षा प्रणाली में एआई के एकीकरण को मंत्रालय का प्रमुख प्रयास बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में डिजिटल प्लेटफॉर्म, नीतिगत ढांचे, संस्थागत सुधार, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और उन्नत अनुसंधान-नवाचार के लिए एआई-समर्थ आधारभूत संरचना तैयार की गई है। इस सत्र का उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय एआई-इन-एजुकेशन रोडमैप को तैयार करना और उद्योग, शिक्षाविदों तथा सरकार के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि समिट में शिक्षा के विभिन्न स्तरों-प्रारंभिक शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और वैश्विक नेतृत्व में एआई के संरचित एकीकरण पर सार्थक चर्चा हुई।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बने तारिक रहमान, 49 मंत्रियों के साथ ली शपथ

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 49 मंत्रियों ने भी शपथ ली। संसद भवन परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान और उनके नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

रहमान की 49 सदस्यीय मंत्रिपरिषद में 25 मंत्री और 24 राज्यमंत्री शामिल हैं। बांग्लादेश के इतिहास में लंबे समय की परंपरा तोड़ते हुए नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन के बजाय संसद भवन परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, भूटान के प्रधानमंत्री दाशो त्सेरिंग टोबगे, पाकिस्तान के नियोजन एवं विकास मंत्री अहसान इकबाल चौधरी, नेपाल के विदेश मंत्री बालानंद शर्मा, श्रीलंका के स्वास्थ्य एवं जनसंपर्क मंत्री डॉ. नलिंदा जयतिस्सा सहित विभिन्न देशों के नेता शामिल हुए।

समारोह में मुख्य न्यायाधीश, अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रो. मुहम्मद यूनुस एवं उनके सलाहकार परिषद, मुख्य निर्वाचन आयुक्त, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, सांसद, राजनीतिक नेता, तीनों सेनाओं के प्रमुख, राजनयिक मिशनों के सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार तथा उच्च सिविल एवं सैन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। तारिक रहमान की पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान, उनकी बेटी बैरिस्टर जाइमा रहमान तथा अन्य परिजन भी समारोह में मौजूद रहे। समारोह में करीब 1200 मेहमान उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत पवित्र कुरान की तिलावत से हुई। तारिक रहमान ने सबसे पहले राष्ट्रीय संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं राज्य की संप्रभुता की रक्षा करने की शपथ ली। कैबिनेट सचिव डॉ. नसीमुल गनी ने शपथ समारोह का संचालन किया।

बांग्लादेश में हालिया संपन्न संसदीय चुनाव में बीएनपी को लगभग 50 प्रतिशत मत मिले। बीएनपी ने इस चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सत्ता हासिल की है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी को 300 में से 209 सीटें मिली हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

ढाका। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को यहां बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश पहुंचे बिरला ने शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनकी पत्नी से मुलाकात भी की। इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद रहे। बिरला ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि उन्हें ढाका में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने मुंबई के होटल ताज में 26/11 पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनिअल मैंक्रों ने मुंबई के ताज होटेल में 26/11 हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों भी उनके साथ मौजूद रहीं। इसकी जानकारी देते हुए मैंक्रों ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मुंबई के ताज महल पैलेस में, हमने 2008 के हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए कहा कि इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के लिए, और भारत के लिए फ्रांस हमेशा साथ खड़ा है। आतंकवाद के सामने, एकता और दृढ़ निश्चय सबसे बड़ी ताकत है।

इससे पहले सुबह मैक्रों तड़के मुंबई के मरीन ड्राइव पर दौड़ सैर की। उनके साथ सुरक्षाकर्मी भी मौजूद थे। मुंबई पुलिस ने पूरे इलाके में कड़ी सुरक्षा की थी। राष्ट्रपति मैक्रों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 17 से 19 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे और मुंबई में मोदी के साथ द्विपक्षीय शिखर बैठक करेंगे। यह उनकी भारत की चौथी यात्रा है। हालांकि वह मुंबई पहली बार गए हैं।

बच्चा चोर की अफवाह में पीट-पीटकर हत्या, 24 घंटे में चार आरोपी गिरफ्तार

अफवाहों से बचें,संदिग्ध सूचना तुरंत पुलिस को दें: पुलिस की अपील

बिभा संवाददाता

खलारी। पिपरवार थाना क्षेत्र के ग्राम चिरैयाटांड में बच्चा चोर की अफवाह के बाद एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।घटना 15 फरवरी 2026 की रात की है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।मृतक की पहचान रामबली रजवार (40 वर्ष), पिता रामेश्वर रजवार, निवासी बरवाटोली, थाना रामगढ़ के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रामबली की मानसिक स्थिति कुछ समय से ठीक नहीं थी।आशंका है कि इसी कारण ग्रामीणों ने उसे संदिग्ध समझ लिया और बच्चा चोर होने की अफवाह फैल गई, जिसके बाद भीड़ ने उसे पकड़कर मारपीट की।घटना के संबंध में पिपरवार थाना कांड संख्या 09/26, दिनांक 16 फरवरी 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2), 191(3), 190, 109, 132 एवं 103(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस अधीक्षक,चतरा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,टंडवा के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया।पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में प्रयाग महतो (40 वर्ष), महेंद्र महतो उर्फ तरुण महतो (28 वर्ष), सुरेंद्र महतो (32 वर्ष) एवं बसंत मुंडा (25 वर्ष) शामिल हैं। सभी आरोपी किचटो गांव,थाना पिपरवार, जिला चतरा के निवासी हैं।गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें।

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा

खूंटी: समाहरणालय में उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एवं 15वीं वित्त आयोग के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आधारभूत संरचना मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को संसाधनों से सुसज्जित करने तथा समस्याओं की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को देने का निर्देश दिया। निमार्णाधीन भवनों का कार्य समय पर पूर्ण कर हैंडओवर लेने और उनका शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, सभी अंचल अधिकारी, एमओआईसी, स्वास्थ्य विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गुरु आनंद स्वांसी पांड की 190वीं जयंती पर गौड़बेडा में किया गया प्रतिमा का अनावरण

बिभा संवाददाता

खूँटी। तोरपा प्रखंड की जरिया पंचायत स्थित गौड़बेडा गांव रविवार को ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब 19वीं सदी के जननायक बिरसा मुंडा के आध्यात्मिक गुरु आनंद स्वांसी पांड की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। अवसर था उनकी 190वीं जयंती समारोह का, जिसे श्रद्धा, उत्साह और पारम्परिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस दौरान बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुण्डा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा, सांसद प्रतिनिधि हेलेन होरो, मुखिया बिमला ढ़ोडराय, ग्राम प्रधान सिबराम मुंडा, लोहरा पाहन, छोटराय पाहन एवं समिति अध्यक्ष मंगल सिंह स्वांसी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया।

वक्ताओं ने कहा कि 1891 में बिरसा मुंडा गुरु आनंद स्वांसी पाँड़ के संपर्क में आए और तीन वर्षों तक उनसे आध्यात्मिक, राजनीतिक तथा अस्त्र-शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। गुरु आनंद स्वांसी पांड महाभारत और रामायण के ज्ञाता होने के साथ-साथ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के विशेषज्ञ भी थे। उनके मार्गदर्शन ने बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा दी, जिसने आगे चलकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ उलगुलान की नींव मजबूत की।

समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि क्षेत्र के इतिहास और विरासत को सहेजने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

मानगो मेयर पद के लिए कुमकुम श्रीवास्तव ने मांगा जन समर्थन

जमशेदपुर(बिभा) : मानगो नगर निगम मेयर प्रत्याशी कुमकुम श्रीवास्तव ने सुंदरबन फेज 1, रिपीट कॉलोनी, आनंद विहार कॉलोनी, सिंधु कानू नगर डिमना व अन्य नजदीकी क्षेत्र में जनसंपर्क पदयात्रा कर नागरिकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल, सड़क और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया। महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और समस्याएँ साझा की। कुमकुम श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया कि जनता की भागीदारी से मानगो को स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित बनाया जाएगा। बेहतर मानगो के निर्माण हेतु 23 फरवरी को छड़ी छाप, क्रम संख्या 2 पर मुहर लगाकर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला। उन्होंने कहा कि लोगों का सेवा करना ही हमारी जिम्मेवारी होगी।

मेयर प्रत्याशी सुधा गुप्ता के लिए अंसार खान ने मतदान पर्चा बांटा

जमशेदपुर(बिभा) : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी का जिला उपाध्यक्ष अंसार खान के आवासीय कार्यालय में वोट पर्ची तैयार कर के वार्ड नंबर 19 में डोर टू डोर पर्ची बांटने का काम किया गया। इसके साथ-साथ सुधा गुप्ता को 11वां नंबर गुलाबी पर्ची कारपेट के निशान पर वोट देने के लिए लोगों को समझाया गया। अंसार खान ने घर-घर में जाकर लोगों से अपील किया है 23 तारीख को रमजान उल मुबारक का महीना होने के कारण सभी लोग सुबह-सुबह वोट देने के लिए अपने घरों से निकले। कोई भी शख्स बिना वोट दिए बिना रहना नहीं चाहिए। पर्ची तैयार करने एवं बांटने में मोहम्मद कैफ, मोहम्मद यूसुफ, इफ्फत जहां, मोहम्मद आरजू खान, मोहम्मद आदिल खान, जिला कांग्रेस के सोशल मीडिया चेयरमैन राजकुमार वर्मा, कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव रविंद्र मौर्य शामिल हुए।

वार्ड संख्या 35 परिषद पद प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह ने कहा लोगों का सेवा करना मेरी प्राथमिकता

जमशेदपुर (बिभा): मानगो नगर निगम वार्ड संख्या 35 परिषद पद प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि लोगों का सेवा करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है मानगो क्षेत्र का हर घर को सर्वे करा कर मालिकाना हक दिलाने का प्रयास करेंगे उन्होंने ने कहा कि विकास, बेहतर स्वच्छता व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, महिलाओं का सशक्तिकरण और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद स्थापित किया जायेगा। वार्ड संख्या 35 में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था, नाली एवं सड़क की मरम्मत, नियमित जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील प्रतिनिधि के रूप में वे जनता की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान की दिशा में कार्य करेंगी। महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष योजनाएं लाने तथा स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने का भी उन्होंने संकल्प लिया। सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वार्ड 35 को एक आदर्श वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा उन्होंने कहा कि आपका एक वोट बेहतर भविष्य की ओर एक मजबूत कदम साबित होगा।

जेईई मेंस में बुंडू के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, हिमांशु 98.60 व हरेकृष्ण 96.70 परसेंटाइल

बुंडू(बिभा)। पाँचपरगना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल, बुंडू के पूर्ववर्ती छात्रों हिमांशु और हरेकृष्ण ने जेईई मेंस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिमांशु ने 98.60 परसेंटाइल तथा हरेकृष्ण ने 96.70 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। दोनों छात्रों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल से पूरी की। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और नियमित मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कक्षा 9वीं से ही ओलंपियाड एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जाता था, जिससे आगे की पढ़ाई में काफी मदद मिली। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य सुभाष कुमार पाटनी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। वहीं, क्षेत्र के प्रबुद्धजनों एवं अभिभावकों ने भी दोनों छात्रों को बधाई देते हुए इसे पाँचपरगना के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

मध्याह्न भोजन व्यवस्था पर कर्रा प्रखंड में संचालन समिति की हुई बैठक

किसी भी स्थिति में एमडीएम योजना बाधित न हो : बीडीओ

बिभा संवाददाता

खूँटी । कर्रा प्रखंड कार्यालय कर्रा में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम पोषण योजना अंतर्गत मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की प्रखंड स्तरीय देख-रेख व संचालन समिति की बैठक की गई। बैठक में योजना के सुचारू संचालन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान 18 फरवरी से रसोईया सह सहायिकाओं द्वारा प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर सभी मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों के प्रभारियों को वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में एमडीएम योजना बाधित नहीं होनी चाहिए और सभी प्रभारी इस निर्देश का अनिवार्य रूप से अनुपालन करें।

इसके अतिरिक्त प्रतिदिन निर्धारित सूची के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने, पाठशाला एवं विद्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, शत-प्रतिशत एसएमएस रिपोर्टिंग, बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच तथा शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित पदाधिकारियों को इन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सुजीत कुमार पाढ़ी, अंकित कुमार, शिक्षक विनय सिंह, स्टेफान होरो सहित विद्यालयों की रसोईया सह संयोजिकाएँ उपस्थित थीं।

देवी मंडप मंदिर में मरम्मत कार्य के दौरान हादसा, मजदूर की मौत

बिभा संवाददाता

खलारी: हुटाप स्थित देवी मंडप मंदिर में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य के दौरान सोमवार को एक दर्दनाक दुर्घटना हो गई, जिसमें एक मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई।मृतक की पहचान बिजेंद्र राम (37 वर्ष), पिता जितन राम, निवासी डुमारो, चंदवा (लातेहार) के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर में मरम्मत का कार्य जारी था।इसी दौरान काम करते समय बिजेंद्र राम अचानक गंभीर रूप से घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।आसपास मौजूद मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत डकरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया,लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।इलाज के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई।घटना की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।बताया जा रहा है कि बिजेंद्र राम अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे।उनके परिवार में पत्नी,15 वर्ष की एक बेटी तथा 12 और 10 वर्ष के दो पुत्र हैं।पहले से आर्थिक तंगी झेल रहे परिवार पर इस घटना से भारी संकट आ पड़ा है।मंदिर समिति ने मृतक के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 50 हजार रुपये नकद और 1 लाख रुपये बैंक खाते में देने की बात कही है,ताकि परिवार को प्रारंभिक आर्थिक सहयोग मिल सके।घटना की सूचना मिलते ही खलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।वहीं मेक्लुस्किगंज थाना की पुलिस डकरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचकर आवश्यक जानकारी एकत्र की। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।इस दुखद घटना से पूरे इलाके में शोक व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग की है।

मानगो परिषद चुनाव में डॉक्टर गुंजा कुमारी मालाकार एंट्री, पानी-कचरा समस्या और रोजगार पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो नगर निगम पार्षद वार्ड संख्या 13 प्रत्याशी डॉक्टर गुंजा कुमारी मालाकार ने चुनावी मैदान में जोर-शोर से उतरते हुए अपने अभियान की शुरूआत कर दी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि जनता उन्हें चुनती है तो मानगो की वर्षों पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

डॉक्टर गुंजा ने कहा कि मानगो क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या पेयजल और कचरा प्रबंधन की है। गर्मी के दिनों में पानी की भारी किल्लत से आम लोग परेशान रहते हैं, वहीं जगह-जगह फैले कचरे से गंदगी और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उनकी जीत के बाद पूरे मानगो में व्यवस्थित जलापूर्ति व्यवस्था लागू की जाएगी और आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से साफ-सफाई को बेहतर बनाया जाएगा।

उन्होंने शिक्षा को लेकर भी बड़ा वादा किया। उन्होंने ने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारना, बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बेरोजगारी की समस्या को कम किया जा सके। मानगो को एक स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित क्षेत्र बनाना है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे बदलाव के लिए आगे आएं और उन्हें सेवा का अवसर दें।

वीर शहीद रघुनाथ सिंह जयंती पर दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन, विधायक संजीव सरदार रहे मुख्य अतिथि

बिभा संवाददाता

घाटशिला : घाटशिला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आदिवासी भूमिज चुहाड़ सेना द्वारा बड़ाखुरसी चुआड़ विद्रोह के महानायक वीर शहीद रघुनाथ सिंह की 231वीं जयंती के अवसर पर छोलागोड़ा में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन के दौरान युवाओं का जोश और खेल भावना देखते ही बन रही थी। रोमांचक मुकाबलों के बाद लूपानडीह एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि धनचटानी एफसी उपविजेता रही। विजेता टीम को 15,000 तथा उपविजेता टीम को 12,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। विधायक संजीव सरदार ने स्वयं खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने वीर शहीद रघुनाथ सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके संघर्ष और बलिदान से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलकूद समाज में भाईचारा, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। विधायक ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए उनका सहयोग निरंतर जारी रहेगा।

मौके पर ग्राम प्रधान हरिपद सिंह, शिवचरण सिंह, छोलागोड़ा ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह, सदस्य देव शरण सिंह, सोमनाथ सिंह, गुनधर सिंह सहित समाज के बुद्धिजीवी, माताएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

जुगसलाई का विकास केवल एक वादा नहीं बल्कि हमारा दृढ़ संकल्प : प्रत्याशी नौशीन खान

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: जुगसलाई नगर परिषद के अध्यक्ष पद की प्रत्याशी तथा झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान की पत्नी नौशीन खान ने अपने चुनाव अभियान को और तेज करते हुए विभिन्न वार्डों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया और जनता से सीधा संवाद किया। आज वार्ड संख्या 9 के अंतर्गत अहले हदीस मस्जिद, शमीम फ्लैट के निकट, मिल्लत नगर में आयोजित चुनावी नुक्कड़ सभा में उन्होंने जनसमस्याओं पर खुलकर चर्चा की और ह्लबेंचह्व चुनाव चिह्न पर मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। इसी क्रम में आज पानी टंकी, शिव घाट रोड, जुगसलाई (वार्ड संख्या 11) में भी एक नुक्कड़ सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। नौशीन खान ने कहा कि जुगसलाई का विकास केवल एक वादा नहीं, बल्कि हमारा दृढ़ संकल्प है, और यह सपना जनता की शक्ति से ही साकार हो सकता है। मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। वार्ड संख्या 9 के मुर्गी चौक में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। इसी प्रकार वार्ड संख्या 7 के हुमा लाइन में भी नुक्कड़ सभा आयोजित की गई, जबकि वार्ड संख्या 4, 5 और 6 के अंतर्गत पुरानी बस्ती रोड पर ह्लदियार-ए-हबीब कॉन्फ्रेंसह्व का आयोजन हुआ, जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इन सभी स्थानों पर नौशीन खान ने जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जुगसलाई की जनता की सेवा ही हमारा मूल उद्देश्य है। उन्होंने वादा किया कि क्षेत्र में पानी, सड़क, सफाई तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक वर्ग को आश्वस्त किया कि उनकी आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। विशेष रूप से उन्होंने घोषणा की कि नगर परिषद की ओर से व्यापारियों पर कोई नया कर नहीं लगाया जाएगा और उन्हें पूर्ण संरक्षण दिया जाएगा। नौशीन खान ने नुक्कड़ सभाओं के अतिरिक्त घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात भी की। उन्होंने कहा कि आपकी हर समस्या हमारी समस्या है, और उसके समाधान के लिए हम पूर्ण गंभीरता से कार्य करेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे ह्लबेंचह्व चुनाव चिह्न पर मतदान कर उन्हें विजयी बनाएं, ताकि जुगसलाई को नई दिशा दी जा सके।

अंत में उन्होंने कहा कि जुगसलाई का विकास हमारा संकल्प भी है और जिम्मेदारी भी। यदि जनता का विश्वास प्राप्त हुआ, तो क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। वर्तमान में जुगसलाई में परिवर्तन की एक नई लहर महसूस की जा रही है और बड़ी संख्या में लोग इस अभियान से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

पुंदाग में युवक का शव बरामद, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

रांची। रांची के पुंदाग थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बबलू गंजू के रूप में हुई है, जो पुंदाग इलाके में अपने परिवार के साथ किराये के मकान में रहता था। पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि बबलू गंजू देर रात शौच के लिए घर से बाहर निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद उसका शव रेलवे ट्रैक के पास बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुंदाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा के षष्ठम सत्र के संचालन और बजट की रूपरेखा को लेकर की उच्चस्तरीय बैठक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के षष्ठम सत्र के पंचम (बजट) सत्र (18 फरवरी से 19 मार्च 2026 तक) के सुचारु संचालन और बजट की रूपरेखा को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कक्ष, झारखंड विधानसभा में उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई।

उक्त बैठक में राज्य की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, मुख्यमंत्री की दावोस में आयोजित 'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम' में भागीदारी का वर्णन किया गया, जहां उन्होंने विश्व के नीति निमार्ताओं, औद्योगिक दिग्गजों एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ द्विपक्षीय चचाएं कीं, जिससे राज्य में निवेश के नए अवसर खुल सकें, इस पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ट्राईबल वेलफेयर, स्कॉलरशिप एवं राज्य के जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने निर्देश दिए कि बजट सत्र ससमय आयोजित हो तथा इसकी तैयारी सुचारु रूप से की जाए।

उन्होंने कहा कि वित्त विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतएव विभाग की तैयारी में कोई कमी न रहे। सत्ता दल एवं विपक्षी विधायकों के प्रश्नों एवं बजट संबंधी सवालों पर पूर्ण तैयारी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार सहित वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिवक्ता हिट एंड रन मामले में दोनों तरफ से एफआइआर दर्ज

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में अधिवक्ता हिट एंड रन का मामला प्रकाश में आया है। डोरंडा थाना क्षेत्र में एक कार सवार ने मामूली विवाद के बाद एक युवक को अपनी कार के बोनट पर कई किलोमीटर तक लटकाए रखा। इस दौरान युवक अपनी जान बचाने के लिए पूरे रास्ते संघर्ष करता रहा। पीड़ित युवक ने पूरे हादसे का वीडियो भी बनाया है। पीड़ित युवक मवाज खान ने बताया कि वह अपने छोटे भाई को स्कूल छोड़कर बाइक से डोरंडा की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मवाज ने कार चालक से कहा कि उसका ब्रेक टूट गया है, इसलिए ब्रेक बनवाने के पैसे दे दें और चले जाएं।

लेकिन मामला इतना बढ़ गया कि कार सवार ने कई वाहनों को धक्का मारते हुए निकलने की कोशिश की। इसी दौरान मवाज कार के बोनट पर जा गिरा। इसके बावजूद कार चालक ने गाड़ी नहीं रोकी, बल्कि और तेज गति से चलाई। मवाज खान बोनट पर अटका रहा। लाख मिन्नत करने के बाद भी कार सवार ने गाड़ी नहीं रोकी और युवक को उसी हालत में लेकर अपने अपार्टमेंट तक पहुंच गया। पूरे रास्ते मवाज अपनी जान बचाने के लिए चिल्लाता और चीखता रहा, लेकिन कार सवार ने उसकी एक नहीं सुनी। अपार्टमेंट पहुंचने के बाद कार सवार ने चार-पांच लोगों के साथ मिलकर मवाज के साथ मारपीट भी की।

किसी तरह अपार्टमेंट से फोन करके मवाज ने अपने परिजनों को सूचना दी। परिजन पहुंचे और उसे थाने ले गए। कार सवार की पहचान झारखंड उच्च न्यायालय के सीनियर अधिवक्ता मनोज टंडन के रूप में हुई। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

इसके बाद एक वीडियो आया कि मामले में समझौता हो गया। लेकिन थाना प्रभारी दीपिका ने मंगलवार देर रात बताया कि मामले में दोनों ओर से एक दूसरे खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बजट सत्र में विपक्ष के आरोपों का मजबूती से जवाब देने का निर्णय

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित कांग्रेस प्रदेश के मुख्यालय में पार्टी के विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में पार्टी नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर तार्किक और मजबूती से जवाब देने का निर्णय लिया गया। साथ ही कहा गया कि सत्र के दौरान पार्टी के विधायक गठबंधन सरकार की ओर से राज्य भर में किए गए जनहित के कार्यों की जानकारी सदन में देंगे।

बैठक में पार्टी की ओर से कहा गया कि राज्यर सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक समन्वय और विधायी रणनीति को मजबूत करने के लिए जरूरी निर्देश भी दिया गया।

बैठक के दौरान राज्य के समग्र विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस की भूमिका को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में पार्टी के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और झारखंड के सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उप नेता राजेश कच्छप सहित कांग्रेस कोटे के मंत्री सहित अन्यक विधायक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन 20 को

रांची(बिभा) : सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में शुक्रवार 20 फरवरी को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में यशोदा अस्पताल, हैदराबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. कश्यप व्यास (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

बीआईटी में पुलवामा में शहीद 40 सैनिकों की स्मृति में पौधारोपण

रांची(बिभा)। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा के रोटरैक्ट क्लब ने एनईपी सारथी के सहयोग से संस्थान के गेस्ट हाउस परिसर में मंगलवार को पौधारोपण किया। इस अवसर पर पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 सैनिकों की स्मृति में 40 पौधरोपण किया गया। मौके पर सबसे पहले डीन डॉ प्रवीण श्रीवास्तव ने पहला पौधरोपण करते हुए अभि?यान की शुरूआत की। उनके साथ डॉ उपाध्याय, डॉ शांडिल्य और डॉ मुखर्जी ने भी पौधारोपण किया। मौके पर डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि परिसर से जुड़े ऐसे अभियान केवल विशेष अवसरों तक सीमित न रहकर पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान जारी रहने चाहिए। डॉ शांडिल्य ने रोटरैक्ट टीम के समन्वय की सराहना की, जबकि डॉ उपाध्याय ने छात्र सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्र मामलों के एसोसिएट डीन डॉ डीके उपाध्याय और डॉ गौतम शांडिल्य, डॉ सनत कुमार मुखर्जी तथा रोटरैक्ट क्लब के जनरल सेक्रेटरी पुरुषोत्तम मयूर भी मौजूद थे।

गंभीर बीमारियों के 21 मरीजों की राशि हुई मंजूर

रांची(बिभा)। झारखंड राज्य आरोग्य समिति की बैठक समिति के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को रांची में संपन्न हुई। बैठक में राज्य के 21 मरीजों को मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत वित्तीय सहायता देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इलाज कराने के बाबात सहायता राशि दिए जाने की मंजुरी दी। बैठक में कैंसर, किडनी ट्रांसप्लांट और अन्य गंभीर रोगों के इलाज के लिए पांच लाख से 20 लाख तक रुपए के अनुदान प्रस्तावों की समीक्षा की गई। साथ ही पांच लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक के चिकित्सीय अनुदान के 21 मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कार्यकारी निदेशक सीमा सिंह, विभाग के आंतरिक वित्तीय सलाहकार ध्रुव प्रसाद, डीआईसी डॉक्टर सिद्धार्थ सान्याल और विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

उच्च न्यायालय ने बाबूलाल मरांडी के खिलाफ दर्ज चार मामलों को किया निरस्त

रांची(बिभा)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के खिलाफ बयानबाजी से संबंधित झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के खिलाफ दर्ज चार मामलों को झारखंड उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया है। बाबूलाल मरांडी के खिलाफ ये मामले रामगढ़, सिमडेगा, बरहेट और मधुपुर थाने दर्ज हुए थे। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने बाबूलाल मरांडी की याचिका स्वीकार कर ली। मरांडी की ओर से इन चारों मामलों को निरस्त करने का आग्रह किया गया था। बाबूलाल पर आरोप है कि एक निजी यूट्यूबय चैनल ने झारखंड में बाबूलाल मरांडी की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के खिलाफ दिए गए साक्षात्कार को अपलोड किया था। इसके खिलाफ झामुमो कार्यकताओं ने राज्य के उक्त चार थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले को लेकर 25 अगस्त 2023 को सिमडेगा थाना में कांड संख्या 104/2023, बरहेट थाना में कांड संख्या 104/2023, 25 अगस्त 2023 को रामगढ़ थाना में कांड संख्या 196/2023 और देवघर के मधुपुर थाना में कांड संख्या 176/2023 दर्ज है, जिसे अदालत से रद्द करने का आग्रह किया गया था।

एनसीसी कैडेट्स को राज्यपाल ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को रांची के लोक भवन में आयोजित एट होम कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस शिविरझ2026 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले एनसीसी कैडेट्स और ह्यवीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोनह्व के एनसीसी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस शिविर में राज्य का प्रतिनिधित्व करना अत्यंत गौरव एवं सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित ह्यवीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोन युवाओं में राष्ट्रभक्ति, फिटनेस एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी आयोजन रहा। उन्होंने कैडेट्स की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना करते हुए उनके प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को भी बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, सेवा और राष्ट्रप्रेम की पाठशाला है। यह युवाओं में चरित्र निर्माण, कर्तव्यनिष्ठा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि एनसीसी विश्व का सबसे बड़ा युवा संगठन है, जो विविधता में एकता का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने अपने छात्र जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं भी एनसीसी कैडेट रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स परेड एवं शिविरों के अतिरिक्त सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में उनकी सक्रिय सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर लोक भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी की विशेष सराहना की। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज बड़ी संख्या में बेटियां भी एनसीसी से जुड़कर नेतृत्व एवं अनुशासन की मिसाल स्थापित कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है।

राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी से प्राप्त प्रशिक्षण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध होता है। ह्यविकसित भारत 2047ह्व के संकल्प को साकार करने में युवाशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा एनसीसी इस दिशा में एक सशक्त मंच प्रदान करता है। उन्होंने सभी कैडेट्स एवं प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने अनुशासन, सेवा-भाव और राष्ट्रनिष्ठा से राज्य एवं राष्ट्र का गौरव निरंतर बढ़ाते रहेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने ह्यवीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोनह्व के प्रतिभागियों को दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर रांची में ट्रैफिक व्यवस्था सख्त, सुबह 8 बजे से तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

बिभा संवाददाता

रांची। बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर में विशेष यातायात दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अब शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी सुबह 9 बजे के बजाय सुबह 8 बजे से ही तैनात रहेंगे, ताकि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु और व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश के बाद यातायात पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक एसपी) राकेश सिंह ने नगर क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ट्रैफिक एसपी ने परीक्षा केंद्रों के बाहर और आसपास के पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान यातायात को नियंत्रित रखना प्राथमिकता है, ताकि छात्रों को समय पर और सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया जा सके।

पुलिस प्रशासन ने अभिभावकों से भी सहयोग की अपील की है। अभिभावकों से कहा गया है कि वे बच्चों को समय से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाएं और अपने वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें, जिससे यातायात बाधित न हो। पुलिस का उद्देश्य परीक्षा अवधि के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी छात्र बिना किसी बाधा के सुरक्षित और समय पर अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें।

झारखंड में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं गंभीर सामाजिक संकट : नायक

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस के नेता विजय शंकर नायक ने कहा है कि झारखंड में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं विकास पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं। यह बेहद चिंता का विषय और एक सामाजिक संकट है। इसपर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राज्य में हाल के वर्षों में सड़क हादसों और मौतों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं, जो केवल आंकड़े नहीं बल्कि एक सामाजिक त्रासदी है।

नायक ने कहा कि अधिकतर हादसे ओवरस्पीड, लापरवाही, दोपहिया वाहनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और ब्लैक स्पॉट्स के कारण हो रहे हैं। इसपर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि कई दुर्घटनाओं में गोल्डन ऑवर के दौरान समुचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने से जानें चली जाती हैं। सरकार की शोर से उठाए गए कदमों को अपर्याप्त बताते हुए उन्होंने ब्लैक स्पॉट सुधार, तकनीक आधारित निगरानी, कड़े प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा शिक्षा और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की मांग की।

नायक ने कहा कि सड़क सुरक्षा को केवल ट्रैफिक का विषय न मानकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के मुद्दे के रूप में प्राथमिकता देनी होगी।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

रांची : रांच समर्पण शाखा द्वारा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में हर महीने की अमावस को गौ सेवा किया जा रहा है। ये सेवा हरमू रोड स्थित गौशाल में 17 फरवरी को गौ सेवा कराई गई। यह सेवा निकिता जलान जी की तरफ से दी गई। गौ माता को हरी सब्जी , लौकी, पत्ता गोभी,गुड ,रोटी और अन्य सामग्री खिलाई गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, शुभा अग्रवाल, निकिता जलान, कविता सोमानी समेत अन्य सदस्य मौजूद थी । यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

रांची विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी के नए निदेशक बने डॉ. एके डेल्टा, पदभार ग्रहण कर गुणवत्ता सुधार का लिया संकल्प

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) के नवनियुक्त निदेशक डॉ. एके डेल्टा ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और शिक्षकों ने उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पदभार ग्रहण समारोह के दौरान आईक्यूएसी के पूर्व निदेशक डॉ. सुदेश कुमार साहु ने डॉ. डेल्टा को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षकों और विभागाध्यक्षों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर डॉ. एके डेल्टा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक और प्रोफेसर के रूप में उनका मुख्य उद्देश्य छात्रों के हितों की रक्षा करना और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि आईक्यूएसी के माध्यम से विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, अकादमिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

डॉ. डेल्टा के स्वागत समारोह में केमिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. स्मृति सिंह, डॉ. शिप्रा, डॉ. विनोद कुमार महतो, डॉ. किशोर सुरीन, डॉ. समीर लकड़ा, सुमन, फरहान सहित कई शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने विश्वास जताया कि डॉ. डेल्टा के नेतृत्व में आईक्यूएसी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रांची में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 30वीं छमाही बैठक संपन्न, हिंदी के प्रभावी प्रयोग पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची : मंगलवार को होटल रेडिशन ब्लू में मुख्य आयकर आयुक्त, राजेश कुमार झा, की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रांची की छमाही बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक इस कैलेंडर वर्ष की द्वितीय एवं नराकास की 30वीं बैठक थी। समिति के 80 सदस्य कार्यालयों से लगभग 130 सदस्य उपस्थित हुए, जिनमें 40 कार्यालयों के प्रमुख एवं विभागाध्यक्षों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

बैठक का संचालन करते हुए समिति के सचिव प्रसून कुमार ने अध्यक्ष के साथ-साथ सभी उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने नराकास बैठक की महत्ता पर प्रकाश डाला और सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की।

अपने संबोधन में समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार झा ने कहा कि आज हिन्दी में कार्य करना अत्यंत सरल हो गया है। उन्होंने केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग को संविधान के अनुरूप बताया और सभी सदस्य कार्यालयों से राजभाषा नीतियों और आदेशों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि यदि हमें हिंदी में कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ानी है, तो हमें ऐसी योजनाएँ बनानी होंगी, जिनसे लोग यह महसूस करें कि हिंदी में काम करना सरल, सहज और आकर्षक है।

वर्ष 2024-25 के दौरान नराकास के सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं में से सर्वोत्तम तीन पत्रिकाओं को अध्यक्ष ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया ।

कार्यक्रम के दौरान एक पुस्तक प्रदर्शनी (बुक स्टॉल) का आयोजन भी किया गया, जिसमें हिंदी की उपयोगी, व्यवहारिक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से राजभाषा के प्रति उत्साह और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक राजभाषा प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

साथ ही, बिक्रम साव, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा ई-टूल्स के प्रभावी एवं व्यवहारिक प्रयोग पर मार्गदर्शन देने हेतु एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों को विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के समापन पर कृषि प्रणाली के पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र के तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), अणिमा प्रभा ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस प्रकार से, यह बैठक न केवल राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई, बल्कि इसके माध्यम से केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल की गई।

कुडुख विभाग में वीर बुधु भगत को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा संकाय अंतर्गत कुडुख विभाग में मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी वीर बुधु भगत की 234 वीं जयंती समारोह बेहद श्रद्धा के साथ मनाई गई। मौके पर जुटे विभाग के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने वीर बुधु भगत को श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-143-25-26 (खुली), **दिनांक** 16.02.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस संख्या :** ओ-एसी-टी-143-25-26, **कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में आसनसोल मंडल के तहत यार्ड में रिलीज्ड कंक्रीट स्लीपरों का उपयोग करते हुए पाथवे के प्रावधान एवं अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.49,81,839.76, **बयाना राशि :** रु. 99,600/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 06 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 10.03.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है। ASN-355/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

सीबीएसई 10वीं बोर्ड की परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में शुरू, 23 केंद्रों पर कुल 9371 विद्यार्थियों ने दी गणित की परीक्षा

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं बोर्ड परीक्षा मंगलवार से बोकारो जिले में शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हो गई। परीक्षा आगामी 13 मार्च तक चलेगी, वहीं 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से प्रारंभ होकर 10 अप्रैल तक आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, बोकारो जिले में बनाए गए कुल 23 परीक्षा केन्द्रों पर पहले दिन कुल पंजीकृत 9430 परीक्षार्थियों में से 9371 ने गणित विषय की परीक्षा की। 59 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षार्थी मैथेमैटिक्स स्टैंडर्ड और मैथेमेटिक्स बेसिक की परीक्षा में शामिल हुए।

केन्द्रवार उपस्थिति की जानकारी साझा करते हुए डॉ. गंगवार ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर-3सी में 377, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 772, चिन्मय विद्यालय सेक्टर- 5 में 453, होलीक्रॉस स्कूल बालीडीह में 624, पिट्स मॉडर्न गोमिया में 475, डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी में 399, जीजीपीएस- 5 में 831, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में 415, आदर्श विद्या मंदिर, दारकूनगर में 347, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर- 4 में 613, डीएवी स्वांग में 315, बीआरएल डीएवी भंडारीदह में 366, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 में 588, पेंटिकॉस्टल एसेंबली स्कूल सेक्टर-12 में 324, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर- 6 में 290, जीजीपीएस चास में 399, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 6 में 195, होलीक्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 324, डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में 152, डीपीएस चास में 264, केंद्रीय विद्यालय-1 सेक्टर-4 में 341, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा में 352 और केंद्रीय विद्यालय डीवीसी बोकारो थर्मल में 155 परीक्षार्थी शामिल हुए।

सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि प्रशासनिक सहयोग के साथ-साथ सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों एवं वीक्षकों के समन्वित प्रयास से परीक्षा पूर्णतया शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। कहीं से भी कोई कदाचार या अन्य गड़बड़ी की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे से कड़ी निगरानी की जा रही है। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच या अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश से पूर्व दो से तीन स्तर की सघन जांच प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो सके। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस व प्रशासन की भी मुस्तैदी दिखी।

इधर, परीक्षा के पहले दिन छात्र-छात्राओं में उत्साह और आत्मविश्वास देखा गया। जिले के तमाम 23 परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही गहगा-गहमी और खास चहल-पहल देखी गई। केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भीड़ भी नजर आई, जो अपने बच्चों का हौसला बढ़ाते देखे जा रहे थे। कई विद्यार्थियों ने परीक्षा काफी अच्छी जाने की बात कही। 18 फरवरी को कक्षा 12वीं की शारीरिक शिक्षा की परीक्षा होगी, जिसमें कुल 3,856 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

श्री श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम की बैठक, 19 को मनेगी जयंती

तलगडिया (बोकारो)। चंदनकियारी प्रखण्ड के पंचायत देवग्राम के गाँव योगीडीह स्थित श्री श्री रामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम में श्री रामकृष्ण देव जी की 191 वें पावन जयंती मनाने को लेकर बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अशौक कुमार सिंह व संचालन कोषाध्यक्ष मिहिर कुमार मुखार्जी ने किया। बैठक निर्णय लिया गया कि श्री रामकृष्ण देव जी की 19 फरवरी को 191 वीं पावन जयंती मनाया जायेगा। इस अवसर पर विशेष पुजा, मंगलारती , चंडीपाठ , गरीब असहाय दिव्यांग के बीच वस्त्र वितरण, महाप्रसाद का कार्यक्रम किया जायेगा। मौके पर सचिव सुकुमार मुखार्जी, मिहिर मुखार्जी,बामापद मुखार्जी, दीपक मुखार्जी, अशौक बनर्जी, रामेश्वर कुंभकार, सुभाषचंद्र मुखार्जी, व सदस्य उपस्थित थे। बैठक का समापन श्री रामकृष्ण कथा अमृत पाठ के साथ किया गया।

बोकारो नगर निगम चुनाव: कांग्रेस ने उतारा प्रत्याशी जमील अख्तर, स्वास्थ्य मंत्री ने किया समर्थन

बिभा संवाददाता

बोकारो। नगर निकाय चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में कांग्रेस ने चीरा चास के भर्रा बस्ती में अपनी प्रत्याशी जमील अख्तर को निगम चुनाव में उतार दिया। स्टार प्रचारक के रूप में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार को बोकारो पहुंचकर जनसभा को संबोधित किया।मंत्री इरफान अंसारी ने जमील अख्तर के पक्ष में वोट मांगते हुए जनता से अपील की। उन्होंने कहा, जमील अख्तर जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। यहां हमारी गठबंधन सरकार है। यदि वे मेयर चुने जाते हैं, तो जनता के हित में खुलकर काम कर सकेंगे। उन्हें पूर्ण बहुमत और फुल सपोर्ट मिलेगा।₹भाजपा पर निशाना साधते हुए इरफान ने कहा, लोकसभा चुनाव में भाजपा 'डबल इंजन' की बात कर रही थी, लेकिन झारखंड में उनका एक इंजन भी नहीं चला। चाहे जितने भाजपा प्रत्याशी हों, जीत तो कांग्रेस की जमील अख्तर की ही होगी।₹मीडिया द्वारा नगर निगम चुनाव के बाद जेएमएम-भाजपा गठबंधन सरकार बनने के सवाल पर मंत्री ने साफ खारिज किया। उन्होंने कहा, ₹के एन त्रिपाठी क्या भाजपा के एजेंट हैं, जो उन्हें पता है कि भाजपा क्या करेगी? झारखंड सरकार पूर्ण बहुमत से बनी है और अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। ऐसा कुछ नहीं होगा। प्रत्याशी जमील अख्तर के समर्थन में सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। चुनावी माहौल तेज होने से अन्य दलों के प्रत्याशी भी सक्रिय हो गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

मिथिला महिला समिति ने सोल्लास मनाया होली मिलन समारोह

बोकारो(बिभा): प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा डेफोडिल्स, सिटी पार्क मे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा के नेतृत्व में आयोजित इस होली मिलन समारोह में समति की सदस्याएं होली गीत मिथिला राम खेलथि होरी., आजु बिरज मे होरी रे रसिया., गौरी के दुल्हा होली खेलै छै मसाने मे.. होली कनक भवन खेलथि सिया रघुवीर.. आदि गीतों की मनोहारी प्रस्तुति से वातावरण के होलीमय बना दिया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित सदस्या किरण मिश्रा, अमिता झा, शीला मिश्रा, डॉ मंजू झा, नंदा झा, बीणा झा, नमिता झा, बीनू चौधरी, चंदा झा, लीला झा, अलका झा, सीमा झा, रुबी ठाकुर, पूनम झा, प्रेरणा ओझा, विनिता राय, प्रीति प्रिया, आशा पाठक, पूनम झा, रंजना भगत, रीतू मिश्रा, किरण झा आदि उपस्थित रहीं।

स्वांग कॉल वासरी साइडिंग से लाखों की चोरी, प्रबंधन में हड़कंप

गोमिया (बोकारो)(बिभा) : गोमिया सिसिएल कथारा क्षेत्र स्थित स्वांग कॉल वासरी रेलवे साइडिंग के कार हॉल से बीती रात दो पुली समेत अन्य कीमती सामान चोरी हो गया। घटना के बाद वासरी प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। बताया जाता है कि चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पिछले करीब दो वर्षों से इस क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पूर्व भी कई कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रवि कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। उन्होंने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

आकाशियंस का जेईई मेंस फेज-1 में कमाल, चार स्टूडेंट्स ने हासिल किए 99 पर्सेंटाइल

बोकारो (बिभा) : आकाश इंस्टीट्यूट के छात्रों ने जेईई (मेंस) फेज-1, 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया। जनवरी 2026 में आयोजित इस परीक्षा में आकाश बोकारो के चार छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से अधिक एनटीए स्कोर हासिल कर सभी को चौंका दिया।संस्थान के डायरेक्टर राजेश प्रसाद ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, ₹आकाश में हम गुणवत्तापूर्ण कोचिंग पर यकीन करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे चार छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल प्लस स्कोर प्राप्त किया। सभी अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को हार्दिक बधाई। उनकी मेहनत रंग लाई है और हम आश्वस्त हैं कि जेईई (एडवांस) में वे सफलता की नई ऊंचाइयां छुएंगे।₹आकाश इंस्टीट्यूट छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यहां केंद्रीकृत इन-हाउस प्रक्रिया के तहत नेशनल एकेडमिक टीम करिकुलम विकास, कंटेंट तैयार करने और फैकल्टी ट्रेनिंग व निगरानी करती है। पिछले वर्षों में आकाश के छात्रों ने जेईई, नीट, एनटीएसई , के वी पी वाई और ओलंपियाड जैसी परीक्षाओं में उत्कृष्ट चयन ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें 99.92 पर्सेंटाइल जैसे ऊंचे स्कोर शामिल हैं।

सेल एससी-एसटी कर्मचारी फेडरेशन ने चास मेयर प्रत्याशी भोलू पासवान के समर्थन में चलाया जनसंपर्क अभियान

चास (बोकारो)(बिभा)। सेल एससी-एसटी कर्मचारी फेडरेशन की बोकारो इकाई के अध्यक्ष एमके अभिमन्यु के नेतृत्व में चास नगर निगम क्षेत्र के मेयर पद के उम्मीदवार भोलू पासवान के पक्ष में कुंवर सिंह कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान चलाया गया।इस दौरान फेडरेशन अध्यक्ष एमके अभिमन्यु ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि चास की स्थिति दस वर्ष पूर्व से आज कितनी बदली है, इसका अंदाजा लगाना जरूरी है। तब भोलू पासवान मेयर नहीं थे, लेकिन आज बिजली, सड़क, पानी और स्वच्छता के मामले में आसमान-जमीन का फर्क है। चास अब साफ-सुथरा शहर बन चुका है और बिजली से चमक रहा है। उन्होंने अपील की कि चास की जनता इस बार भी भोलू पासवान को 'बिजली का खंभा' चिह्न पर मोहर लगाकर विजयी बनाए तथा बहकावे में न आए।जनसंपर्क अभियान में मुख्य रूप से भीष्म बैठा (उपाध्यक्ष, दलित संघर्ष मोर्चा व फेडरेशन सलाहकार), धर्मा पासवान, इंदल पासवान, आर चौधरी, महेश पासवान, सुरेश पासवान, वीरेंद्र कुमार, एस मुर्मू, एम मांझी, राजू बाउरी, बी महतो, दी रजवार और एस भुइयां उपस्थित रहे।

जेईई मेन सेशन-1 में जीजीपीएस बोकारो का गौरवपूर्ण प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। जेईई मेन परीक्षा (सेशनझ्र1) का परिणाम सोमवार, दिनांक 16 फरवरी 2026 को घोषित किया गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, बोकारो के विद्यार्थियों ने अत्यंत प्रशंसनीय प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है।

इस परीक्षा में विद्यालय के अनेक मेधावी विद्यार्थियों ने उच्च परसेंटाइल अर्जित कर अपनी प्रतिभा, परिश्रम एवं अनुशासन का उत्कृष्ट परिचय दिया। परसेंटाइल के आधार पर प्रमुख विद्यार्थियों के नाम इस प्रकार हैं–

आशीष कुमार महतो (98.88), अनुभव कुमार (96.6), सिद्धि कुमारी (95.7), कृष्णदेव महतो (95.1), अनिरुद्ध कुमार (93.6), शांतनु (92.1), ईशान आनंद (90.5), सानू राज सिन्हा (90.3), आदिल नमन, सागर सिंह, आयुष, शिवम कुमार, सिद्धांत रंजन, रितेश कुमार, शुभम कुमार, अभिजीत घोष, आयुषी कुमारी, आदित्य झा, प्रतीक पॉल, सुप्रिया, आदित्य राज, आयुष कुमार सोनी, शिवम कुमार सिंह, कुंदन कुमार महतो, आर्यन चौबे, अरुणेश कश्यप, आर्यन शर्मा, तन्मय राज, फरहान फिरदौस, वंश वशिष्ठ, अनिकेत कुमार, शशांक कुमार मिश्रा, प्रियांशु कुमार गुप्ता, मृत्युंजय चंद्र सिंह, शुभम कुमार गुप्ता, आर्य अरुण एवं सावन राज चंद्रा संस्कृति सिंह आदि ने भी अपनी मेहनत से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

विद्यालय प्रशासन ने विशेष रूप से बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष का परिणाम और अधिक उत्कृष्ट एवं उत्साहवर्धक रहा, जिससे विद्यालय परिसर में हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त हो गया है। यह सफलता विद्यार्थियों की सतत मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का सुफल है। विद्यालय के प्राचार्य श्री अभिषेक कुमार ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय को अपने छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यंत गर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों की निरंतर प्रगति एवं सफलता की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ दिनांक 17 फरवरी 2026 को बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री कुंदन कुमार ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीईडी) श्री ए. के. अविनाश सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ कर्मचारियों के बीच टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए अपनी शुभकामनाएँ दीं।

उद्घाटन मैच में मिल जोन-1 और एसआरयू के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें मिल जोन-1 ने 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। वहीं, दूसरे मुकाबले में जेजीओएम की टीम ने सर्विसेज को 6 विकेट से पराजित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 विभागीय टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 27 मार्च 2026 को खेला जाएगा।

जैप-4 बोकारो में नया डाकघर का उदघाटन, 2000 से अधिक कर्मियों को मिलेगा लाभ

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड सशस्त्र पुलिस-4 (जैप-4) बोकारो वाहिनी परिसर में मंगलवार को पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए भारतीय डाकघर शाखा जे.ए.पी.-4, बोकारो का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झासपू-4 बोकारो के कमांडेंट श्री शंभू कुमार सिंह (भा.पू.से.) ने डाकघर का उद्घाटन किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद प्रमंडल के वरिष्ठ डाक अधीक्षक श्री रूपम कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने संबोधन में बताया कि लंबे समय से जाप-4 बोकारो के पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों द्वारा परिसर में डाकघर स्थापना की मांग की जा रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए अब यहां सभी डाक सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं।इस नई शाखा में बोकारो जिले की अन्य शाखाओं की तरह भारतीय डाक की सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परिसर में झासपू-4 के करीब 1350 और राजौरी औष्णधबल (रा.औ.सु.बल) के लगभग 930 कर्मी तैनात हैं। इसके अलावा प्रशिक्षण के दौरान भी बड़ी संख्या में जवान मौजूद रहते हैं। इससे वाहिनी के सभी कर्मियों के साथ आसपास के आमजन को भी लाभ मिलेगा।उद्घाटन समारोह में एसएएसपी अभिजीत रंजन, एसडीआई अमित कुमार, बीपीएम अंकिता कुमारी, देवेंद्र कुमार, विवेक विशाल, गोविंद, चंदू, गोरी नाथ नायक, वीरा सिंह और अभिषेक कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल के छात्रों का जेईई मेन्स में शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 के छात्रों ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। ईशान गुप्ता ने 98.83 परसेंटाइल, काव्या चन्दन झा ने 98.68 परसेंटाइल तथा देवीदुत्ता पांडा ने 95.58 परसेंटाइल हासिल कर सभी को प्रभावित किया।

तीनों छात्रों ने 95 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर कर साबित किया कि लगातार अभ्यास, सही रणनीति और अनुशासन से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया जा सकता है। ईशान गुप्ता ने बताया कि एक्स्ट्रा क्लासेस और कॉन्सेप्ट आधारित पढ़ाई ने कठिन सवालों को आत्मविश्वास से हल करने में मदद की। काव्या चन्दन झा ने शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित टेस्ट सीरीज और समयबद्ध अध्ययन योजना को अपनी सफलता का श्रेय दिया।

स्कूल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने मॉक टेस्ट में छोटी त्रुटियों का विश्लेषण सुधारने को सफलता का मूल मंत्र बताया तथा शिक्षकों व अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। सचिव दिलीप कुमार झा ने इसे छात्रों के अनुशासन व सामूहिक प्रयास का प्रमाण बताते हुए भविष्य में और सफलताओं की उम्मीद जताई। प्राचार्य प्रभारी देव दुलाल मित्रा ने पढ़ाई को आनंद के साथ करने की सलाह दी, जिससे रुचि बनी रहती है और बेहतर परिणाम मिलते हैं।रिजल्ट आने पर स्कूल परिसर में उत्साह छा गया। प्रबंधन ने छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चिन्मय विद्यालय बोकारो के 67 से अधिक विद्यार्थियों का जेईई मेंस फेज - 1 में शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय, बोकारो ने एक बार फिर जेईई मेंस परीक्षा के परिणामों में बाजी मारी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित होने वाले संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई मेन्स) के फेज - 1 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। अभी तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार, चिन्मय बोकारो के 67 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। विद्यालय के इशान सिन्हा ने 99.727 परसेंटाइल अंक के साथ टॉप किया है। वहीं, दूसरे स्थान पर आर्यन 99.589 परसेंटाइल के साथ सफल हुए। बता दें कि कुल 40 विद्यार्थियों को 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। परिणाम सामने आने के बाद चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा और उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। सफल विद्यार्थियों को विद्यालय में बुलाया गया और अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय ने सभी को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

इन विद्यार्थियों ने मारी बाजी

जेईई मेंस फेज - 1 परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के बारे में विस्तृत रूप से बात की जाए, तो इशान सिन्हा को 99.727 परसेंटाइल, आर्यन को 99.589 परसेंटाइल, के. सूर्या श्रवण को 99.31 परसेंटाइल, ऋषु राज को 98.97 परसेंटाइल, मिशिता सिंह को 98.906 परसेंटाइल, प्रियांशु राज को 98.86 परसेंटाइल, नारायण राय को 98.51 परसेंटाइल, ऋषु कुनाल को 98.5 परसेंटाइल, अतुलित जय को 97.82 परसेंटाइल, प्रियांशु मजी को 97.78 परसेंटाइल, ऋषि प्रसाद को 97.37 परसेंटाइल, अर्पित राज को 97.292 परसेंटाइल, सत्यम कुमार झा को 96.96 परसेंटाइल, अभी कुमार को 96.91 परसेंटाइल, सिद्धांत सिन्हा को 96.78 परसेंटाइल, चिराग कुमार झा को 96.47 परसेंटाइल, वेद कुमार को 96.44 परसेंटाइल, मिश्खा भगत को 95.936 परसेंटाइल, ऋतिक गुप्ता को 95.9 परसेंटाइल, आर्यन चौरसिया को 95.68 परसेंटाइल, अभ्यास मलिक को 95.455 परसेंटाइल, सुमित कुमार सौ को 95.41 परसेंटाइल, साहिल कैसर को 95.41 परसेंटाइल, अनिकेत राज मंडल को 94.86 परसेंटाइल, अर्नब कांति महतो को 94.35 परसेंटाइल, अदित्या आनंद को 93.98 परसेंटाइल, तन्मय गुप्ता को 93.24 परसेंटाइल, हर्षित कुमार को 93.11 परसेंटाइल, आलोक शर्मा को 92.94 परसेंटाइल, तनिष्क मौर्या को 92.857 परसेंटाइल, पंडित अंशु मेघनाथ को 92.857 परसेंटाइल, अभिषेक छठराज को 92.746 परसेंटाइल, श्रेयांश मिश्रा को को 92.64 परसेंटाइल, अदित्या शर्मा को 91.76 परसेंटाइल, प्रतिक कुशवाहा को 91.491 परसेंटाइल, अंजलि कुमारी को 91.273 परसेंटाइल, अनिश कुमार को 90.77 परसेंटाइल, मेहुल कुमार को 90.73 परसेंटाइल, अकांशा भार्गव को 90.54 परसेंटाइल, शारिक हुसैन को 90.52 परसेंटाइल और अभिग्यान आनंद को 90.1 परसेंटाइल अंक प्राप्त हुए हैं।

इनके अलावा, अमरीश कुमार जायसवाल, युवराज दुबे, अंजलि सोनी, सुरज प्रताप सिंह, हर्षित आनंद, क्षितिज कुमार, सौरव कुमार, अमन सागर, आयुषी कुमारी, साक्षम कुमार सिंह, अनामिका वर्मा, वसीम नजीब, अभिनंदन ओजस, अंकित सारंगी, हर्षित कुमार, विनायक कुमार, विकास कुमार सिंह, अमन कुमार, बिप्लब महतो, बजरंग कुमार साह, आरुष दुबे, सौ?य प्रताप सिंह, रोहित कुमार, प्रत्युष, अमन आनंद और सनी शर्मा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन दिया हैं।

बता दें कि एनटीए जेईई मेन का दो सत्रों में आयोजन कर रही है। परीक्षा का पहला सत्र 21 जनवरी से 29 जनवरी के बीच आयोजित किया गया था, जबकि दूसरे सत्र की परीक्षाएं आगामी 02 से 08 अप्रैल 2026 तक आयोजित होंगी। पूरे जिले से कुल 3479 अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

विद्यार्थियों के इस शानदार प्रदर्शन को लेकर पूरे विद्यालय में खुशी की लहर है। सचिव श्री महेश त्रिपाठी और प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने कहा कि चिन्मय विद्यालय बोकारो हमेशा से परिणामों में आगे रहा है और इस बार भी ये साबित हो गया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और परीक्षा के अगले चरण के लिए भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जेईई एडवांस की परीक्षा में इससे भी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। साथ ही, उन्होंने इस बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को भी ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

हजारीबाग में नशे के सौदागरों पर पुलिस का बड़ा प्रहार, कटकमदाग, लोहसिंघना और ईचाक में ताबड़तोड़ छापेमारी

ब्राउन शुगर व गांजा के साथ 14 गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले में नशाखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल की। कटकमदाग, लोहसिंघना और ईचाक थाना क्षेत्र में एक साथ की गई कार्रवाई में कुल 14 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर और गांजा बरामद किया गया है। 16 फरवरी 2026 को कटकमदाग थाना क्षेत्र के ग्राम सुलताना स्थित डीपो शीट के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमित कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान तीन युवक पुलिस को देखते ही वाहन छोड़कर भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. आफताब, मो. जुबैद उर्फ शाहरुख और सरोज कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने ब्राउन शुगर के धंधे में शामिल होने की बात स्वीकार की और बताया कि वे उदय कुमार उर्फ नवल दांगी, पवन राज वर्मा और त्रिभुवन दांगी से माल खरीदते थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उदय कुमार उर्फ नवल दांगी, पवन राज वर्मा और राहुल कुमार मेहता को भी गिरफ्तार कर लिया।

इधर लोहसिंघना थाना क्षेत्र में तीन और ईचाक थाना क्षेत्र में डायल-100 की सूचना पर पांच अभियुक्तों को पकड़ा गया। सभी के पास से मादक पदार्थ बरामद किए गए।पुलिस की इस समन्वित कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

लंबित कार्य को शीघ्र पूरा करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में मंगलवार को एससीए एवं नीति आयोग अवार्ड मनी अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा लंबित योजनाओं को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश संबंधित एजेंसियों को दिया गया। समीक्षा के दौरान सेन्हा प्रखंड में रागी एवं दाल प्रसंस्करण इकाई तथा स्वेटर इकाई, किस्को प्रखंड में सरसों तेल उत्पादन इकाई एवं ब्रिकेटिंग प्लांट, कुडू सदर प्रखंड में दीदी कैफे एवं डेयरी उत्पादन इकाई, बीएस कॉलेज में ई-लाइब्रेरी, पेशरार प्रखंड में दोना-पत्तल इकाई, बांस उत्पाद इकाई एवं दरी-कालीन बुनाई केंद्र सहित औद्योगिक सिलाई केंद्र की प्रगति की जानकारी ली गई।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन योजनाओं का संचालन अब तक पूर्ण रूप से प्रारंभ नहीं हो सका है, उनके शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराते हुए शीघ्र संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला योजना पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

वार्ड 22 के प्रत्याशी मिताली रश्मि ने वार्ड क्षेत्र वासियों से कहा सरकारी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी

हजारीबाग (बिभा): हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 22 शिवपुरी के प्रत्याशी मिताली रश्मि ने वार्ड क्षेत्र के लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि राज्य और केंद्र सरकार के द्वारा क्रियान्वयित सभी योजना का लाभ वार्ड क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाना मेरा लक्ष्य है आने वाले दिनों में सभी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरा लक्ष्य होगा आगे उन्होंने कहा कि पूरा शिवपुरी मेरा परिवार है और मैं इस परिवार की सेवा एक बहु नहीं बल्कि बेटी बन कर करना चाहती हूं चुनाव के दौरान जनसंपर्क के बारे में पूछे जाने पर मिताली रश्मि ने कहा कि शिवपुरी वार्ड क्षेत्र में जनसमस्याओं का अंबार है। शिवपुरी हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र का सबसे बड़ा वार्ड में से एक है और इस वार्ड की अधिकांश सड़कें और नालियां बदहाली की बाट जोह रहा है बरसात के दिनों में सभी सड़कों पर नालियों का पानी बहता है सभी गलियों में बिजली के तार की स्थिति बद से बदतर है। उन्होंने वार्ड क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि आगामी 23 फरवरी को होने वाले मतदान में शिवपुरी के चहुमुखी विकास के लिए मुझे आशीर्वाद दें । उन्होंने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि आप मुझे अपना बहुमूल्य वोट दें आपका हर एक वोट मुझे वार्ड क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए प्रेरित करेगा मैं शिवपुरी वार्ड 22 के विकास के प्रति संकल्पित हूं।

वार्ड नंबर 30 से प्रत्याशी समा परवीन ने ठोकी ताल, विकास और जनसेवा को बनाया मुख्य मुद्दा

हजारीबाग(बिभा): वार्ड नंबर 30 से चुनाव मैदान में उतरी प्रत्याशी समा परवीन ने क्षेत्र के समग्र विकास और जनसेवा को अपनी प्राथमिकता बताया है। चुनावी सरगर्मियों के बीच समा परवीन लगातार वार्ड के विभिन्न मोहल्लों में जनसंपर्क कर रही हैं और लोगों से समर्थन की अपील कर रही हैं।उन्होंने अपने प्रचार अभियान के दौरान साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, सड़क सुधार, स्ट्रीट लाइट और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है कि वार्ड नंबर 30 में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। साथ ही युवाओं के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी वे काम करना चाहती हैं। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय महिलाओं और बुजुर्गों ने भी अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। समा परवीन ने भरोसा दिलाया कि यदि उन्हें मौका मिला तो वे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करेंगी।चुनावी माहौल के बीच वार्ड नंबर 30 में मुकाबला रोचक होता जा रहा है, वहीं समा परवीन का कहना है कि वे राजनीति नहीं, बल्कि सेवा की भावना से मैदान में उतरी हैं और जनता का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।लगातार जनसंपर्क में भी लगी है !

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया ब्रज गृह व मतगणना केंद्र का निरीक्षण

लातेहार (बिभा): नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 की तैयारियों के निमित्त पॉलिटेक्निक कॉलेज,लातेहार स्थित ब्रज गृह एवं मतगणना केंद्र का आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण कर स्ट्रांग रूम, मतगणना हॉल और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मतगणना कार्य के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, विधि-व्यवस्था एवं अन्य जरुरी व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा कॉलेज में स्थित कमरों, पार्किंग व्यवस्था, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मौके पर उपायुक्त ने अधिकारियों को बज्रगृह सह मतगणना केंद्र नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं पेयजल, शौचालय तथा विद्युत सहित अन्य सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।मौके पर परियोजना निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी नगरपालिका सह पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम , जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, अन्य पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

अमर शहीद वीर बुधु भगत जयंती पर जतरा सह विकास मेला का भव्य आयोजन

सरकार की पहली प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना : दीपिका पांडेय सिंह

बिभा ब्यूरो, अभिषेक कुमार।

लोहरदगा। मंगलवार 17 फरवरी को अमर शहीद वीर बुधु भगत की जयंती के अवसर पर लोहरदगा जिले में जतरा सह विकास मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दीपिका पांडेय सिंह ग्रामीण विकास मंत्री, झारखंड सरकार एवं लोहरदगा लोकसभा के संसद सुखदेव भगत कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, लोहरदगा उपयुक्त डॉ कुमार ताराचंद , उप विकास आयुक्त दिलीप सिंह शेखावत, पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मैना बगीचा चौक स्थित अमर शहीद वीर बुधु भगत के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अतिथियों ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि वीर बुधु भगत ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज में स्वाभिमान और साहस की अलख जगाई थी। उनके त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

वहीं अपने संबोधन में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास, पेयजल, सिंचाई और रोजगार सृजन से जुड़ी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

इस जतरा सह विकास मेला में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए, जहां ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जबकि कृषि विभाग ने किसानों को उन्नत खेती के तरीकों और सरकारी अनुदान योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे आयोजन में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

अंत में अतिथियों ने वीर बुधु भगत के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराते हुए क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का भरोसा दिलाया। इस मौके पर लोहरदगा उपयुक्त डॉ कुमार ताराचंद, उप विकास आयुक्त दिलीप सिंह शेखावत, लोहरदगा पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, कांग्रेस पार्टी के पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनुपमा भगत,कांग्रेस युवा नेता अभिनव सिद्धार्थ, सांसद प्रतिनिधि साजिद अहमद चंगु, कांग्रेसी नेता आलोक साहू, कुडू सांसद प्रतिनिधि लाल विकास नाथ शाहदेव, सहित अन्य मौजूद थे।

वीर बुधु भगत का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक एकता का है प्रतीक: सुखदेव

लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने अपने संबोधन में कहा कि वीर बुधु भगत का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इतिहास से प्रेरणा लेकर शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ें तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। सांसद ने कहा कि सरकार विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रयासरत हैं।

जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषि मेला सह फल, फूल, सब्जी प्रदर्शनी का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

लातेहार: जिला स्तरीय दो दिवसीय (17 एवं 18 फरवरी 2026) कृषि मेला-सह-फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी तथा जिला स्तरीय पशु मेला का आयोजन अनुमण्डलीय कृषि प्रक्षेत्र, कीनामाड़, लातेहार परिसर में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिषद् अध्यक्ष पूनम देवी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला कृषि पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी (प्रक्षेत्र), लातेहार विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद् सदस्य, सरयु वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, बालुमाथ, सह निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, चियाकी, पलामू के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने, फसल विविधीकरण पर जोर देने तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेले से किसानों को नई जानकारी, बाजार उपलब्धता एवं बेहतर उत्पादन की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त होता है।मेले में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को उन्नत खेती, कीट प्रबंधन, जैविक खेती एवं बागवानी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

नेहा निश्चल, जिला कृषि पदाधिकारी, लातेहार ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। पशुपालन, गव्य विककास, मत्स्य एवं सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों ने अपने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया एवं किसानों को लाभ उठाने की बात कही।

लोहरदगा नगर निकाय चुनाव: अनिल उरांव के समर्थन में उतरे रघुवर दास, विकास के मुद्दे पर सरकार को घेरा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। नगर निकाय चुनाव को लेकर शहर का सियासी पारा चढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी ने नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए अपने समर्थित उम्मीदवार अनिल उरांव के पक्ष में पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मंगलवार को लोहरदगा पहुंचे, जहां उन्होंने वरिष्ठ जन संवाद कार्यक्रम और युवा सम्मेलन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रघुवर दास ने वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। वहीं युवा सम्मेलन में उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनिल उरांव को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। सभा में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद ने भी अनिल उरांव को समर्थन देने की घोषणा की। संगठन के पदाधिकारियों ने हिंदू समाज से एकजुट होकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

अपने संबोधन में रघुवर दास ने राज्य की कांग्रेस-जेएमएम गठबंधन सरकार पर शहरी विकास की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शहर किसी भी राज्य की पहचान होते हैं, लेकिन वर्तमान सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और ग्रीन सिटी जैसे बुनियादी मुद्दों पर अपेक्षित कार्य नहीं किया।

उन्होंने कहा कि लोहरदगा समेत पूरे झारखंड के शहरी क्षेत्रों में विकास की गति थम गई है। ऐसे में जनता को चाहिए कि जहां-जहां भाजपा समर्थित उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, उन्हें समर्थन देकर विकास की नई इबारत लिखें।

वूमेन'स कॉलेज एवं गुरु गोविंद सिंह पार्क के पास निर्माण कार्य से लग रहा जाम, सदर एसडीओ ने लिया संज्ञान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में शामिल वूमेन'स कॉलेज हजारीबाग एवं गुरु गोविंद सिंह पार्क के समीप चल रहे निर्माण कार्य के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढंग से पड़े रहने एवं कार्य की धीमी गति के कारण क्षेत्र में लगातार जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है।स्थानीय नागरिकों द्वारा इस समस्या को लेकर शिकायत किए जाने के बाद सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) ने मामले का संज्ञान लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि निर्माण कार्य के चलते सड़क का एक बड़ा हिस्सा अवरुद्ध है, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और आमजन को आवागमन में कठिनाई हो रही है।मौके पर उपस्थित अभियंता को एसडीओ द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए निर्माण सामग्री को व्यवस्थित ढंग से रखने तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि निर्माण स्थल के आसपास आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना से बचा जा सके और शहरवासियों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखने की बात कही गई है, ताकि निर्माण कार्य के साथ-साथ आम जनता को होने वाली परेशानियों को न्यूनतम किया जा सके।

लातेहार नगर अध्यक्ष पद के चुनाव में आया नया मोड़, आम आदमी पार्टी और पलामू प्रमंडल के राजनीतिक चाणक्य कहे जाने वाले नरेंद्र चौबे के समर्थन के बाद बढ़ी बिलासी टोपनो की ताकत

बिभा संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत चुनाव के दौरान आज लातेहार के कार्निवल बैंक्विट हॉल में आम आदमी पार्टी के झारखंड निकाय चुनाव प्रभारी और पलामू प्रमंडल के राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले नरेंद्र चौबे ने झारखंड मुक्ति मोर्चा कांग्रेस भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी वाले बहुजन समाज पार्टी समर्थित नगर अध्यक्ष पद की लोकप्रिय उम्मीदवार विलासी टोपनो को अपने पार्टी की ओर से समर्थन का ऐलान कर दिया।इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य अरुण दुबे,जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव, जिला कोषाध्यक्ष मनोज यादव, कार्यसमिति सदस्य वासुदेव यादव, जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव सौरभ श्रीवास्तव, आम आदमी पार्टी के झारखंड निकाय चुनाव प्रभारी नरेंद्र चौबे, लातेहार जिला प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय,लातेहार जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहम्मद शराफत आदि उपस्थित रहे।मीडिया को संबोधित करते हुए नरेंद्र चौबे ने कहा कि वह 40 से ज्यादा वर्षों से पलामू प्रमंडल की राजनीति में सक्रिय हैं और यहां की राजनीति को देखा और समझा है। निकाय चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित बिलासी टोपनो ही सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार है क्योंकि वह स्थानीय तो है ही साथ ही साथ महिला भी है और हमेशा समाज के उत्थान के लिए सक्रिय रहती हैं।

उन्होंने नैतिकता और लोकप्रियता के आधार पर विलासी जी को समर्थन दिया है और यहां उनकी जीत भी सुनिश्चित है।लातेहार के जिला प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने कहा कि लातेहार में जिस प्रकार का समर्थन विलासी टोपनो को प्राप्त हो रहा है वह अभूतपूर्व है। सभी वर्ग के लोग विलासी टोपनो को नगर अध्यक्ष देखना चाहते हैं इसमें जरा भी संदेह नहीं और जन भावनाओं को देखते हुए ही आम आदमी पार्टी ने विलासी टोपनो को अपना समर्थन दिया है।

उक्त अवसर पर मौजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य अरुण दुबे ने कहा कि आम आदमी पार्टी के समर्थन से बिलासी टोपनो की जीत और ज्यादा निश्चित हो गई है और जिस प्रकार का समर्थन राजनीतिक दलों सामाजिक संस्थाओं और समाज के हर वर्गों से मिल रहा है जल्द ही यह तय हो जाएगा कि इस चुनावी रेस में बिलनी टोपनो बाकी उम्मीदवारों से कोसों आगे है।

उन्होंने कहा कि आने वाले 23 तारीख को या तय हो जाएगा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित उम्मीदवार बिलासी टोपनो के हाथों में ही लातेहार की जनता ने लातेहार का भविष्य सौंपा है।उक्त विषय पर बात करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के फायर ब्रांड नेता सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि एक-एक कर विलासी टोपनो का यह कारवां बढ़ता जा रहा है और अब मंजिल दूर नहीं। लातेहार की सीट पर इस बार झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित प्रत्याशी बिलासी टोपनो की जीत से एक नई गाथा लिखी जाएगी जिससे नगर के विकास को गति मिलेगी इस समर्थन के ऐलान के बाद बिलासी तो अपनों की जीत ज्यादा सहज दिख रही है।सभी प्रत्याशी लातेहार निकाय चुनाव में अपनी ताकत झोंक रहे हैं लेकिन सबके किस्मत का फैसला जनता के हाथों में है।

साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का किया गया आयोजन सुनी गई ग्रामीणों की फरियाद

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता रामा रविदास की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। अपर समाहर्ता ने क्रमवार तरीके से सभी फरियादियों की शिकायतों को सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा।ज्ञात हो कि आज के जन शिकायत निवारण में विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये , जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे।उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर या प्रगति की राह?

ललित गर्ग

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रुवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रुवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं-चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में ह्यदुर्गा आंगनह्न का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है।

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-'बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है'-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल 'कौन किसका प्रतिनिधि है' तक सीमित रह गया, तो 'कौन क्या करेगा' का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

संपादकीय

एआई समिट नयी चुनौतियां

सोमवार 16 फरवरी से नयी दिल्ली में भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरूआत हुई, जो 20 फरवरी तक चलेगी। एआई पर यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 20 देशों के राष्ट्रप्रमुख, 50 से ज्यादा मंत्री और 40 से ज्यादा बड़े सीईओ हिस्सा लेने आ रहे हैं। गूगल के सुंदर पिचाई, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक के डेरियो अमोडी, माइक्रोसॉफ्ट के ब्रैड स्मिथ, एडोब के शांतनु नारायण जैसे तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला दा सिल्वा भी इसमें शामिल हो रहे हैं।

इन तमाम बड़ी हस्तियों की एक साथ एक बैनर के नीचे उपस्थिति यह बता रही है कि दुनिया ने एक बड़े बदलाव की तरफ कदम बढ़ा लिया है, जो ऊपरी तौर पर केवल तकनीकी से जुड़ा नजर आता है, लेकिन असल में इसका असर जिंदगी के हर हिस्से पर पड़ना शुरू हो चुका है। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हर क्षेत्र में दिखाई देने लगी है। विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, व्यापार हर जगह अब एआई का सहयोग लिया जा रहा है। दशकों तक भू राजनैतिक आकलन बंद दरवाजों के पीछे विदेशी राजनयिकों और जांच एजेंसियों के भरोसे होता रहा, क्योंकि सरकारी दस्तावेज और अंदरूनी खबरों तक इन्हीं की पहुंच होती थी। थिंक टैंक्स, रिस्क एनालिस्ट्स (जोखिम विश्लेषकों) या मीडिया के आकलन सब राजनयिकों और जांच एजेंसियों के सूत्रों पर निर्भर होते थे। लेकिन अब एआई ने यह परिदृश्य भी बदल दिया है। अब एआई की मदद से विभिन्न देशों में लिए जा रहे फैसलों, सेटेलाइट छवियों, आयात-निर्यात, पूंजी का प्रवाह, मीडिया में चलाई जा रही खबरों सब पर निगाह रखने के साथ तुरंत ही उसका विश्लेषण भी किया जा रहा है। नतीजा ये है कि एक देश के हालात का असर दूसरे देश पर पड़ने में पहले जितना वक्त लगता था, अब वो कुछ पलों में सिमट चुका है।

ऐसे महत्वपूर्ण समय परिदृश्य में भारत में इस एआई समिट के होने के खास मायने हैं, क्योंकि दुनिया इसे ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत के नजरिए से देख रही है। औपनिवेशिक दासता से मुक्त देश तीसरी दुनिया कहलाते रहे हैं, अब एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका के ऐसे तमाम देश ग्लोबल साउथ का हिस्सा कहलाते हैं। ग्लोबल साउथ एक भौगोलिक शब्द न होकर भू-राजनीतिक और आर्थिक धारणा है। एआई समिट का भारत में होना तीसरी दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, जिनके डेटा तक वैश्विक शक्तियों की पहुंच है। इन देशों के राजनैतिक, आर्थिक फैसलों पर वैश्विक शक्तियां इसी डेटा की मदद से प्रभाव डालती हैं। और इसमें एआई की मदद ली जाती है।

ऐसे में इस समिट के दौरान कुछ बड़े सवाल सामने आ रहे हैं, जैसे क्या भारत बड़ी वैश्विक शक्तियों के सामने अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आवाज उठा सकेगा, क्योंकि राहुल गांधी ने संसद में और बाद में भी एआई के खतरों और संभावनाओं दोनों को खुल कर सरकार के सामने रखा है। राहुल ने कहा, एआई क्रांति आ गई है, जो खतरे और मौके दोनों लेकर आ रही है। आईटी और सर्विसेज सेक्टर, हमारी अर्थव्यवस्था का चमकता सितारा है वो खतरे में है। अगर हम आने वाले तूफान के लिए तैयार नहीं हुए तो हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोफेशनल अपनी रोजी-रोटी खो देंगे लेकिन हमारे पास मौके भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, डेटा वो पेट्रोल है जो एआई इंजन को चलाता है। जैसा कि मैंने संसद में कहा था कि भारत की सबसे बड़ी संपत्ति हमारे शानदार लोग हैं और वह बहुत सारा डेटा जो हम बनाते हैं। राहुल ने एआई समिट की मेजबानी पर कहा कि यह भारत के लिए नेतृत्व दिखाने का एक मौका होना चाहिए था, यह दिखाने का कि 1.4 बिलियन लोगों का देश अपने डेटा का इस्तेमाल करके ग्लोबल एआई फ्यूचर को अपनी शर्तों पर कैसे बना सकता है। लेकिन बेबस प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेड डील में अमेरिका के 'चोकहोल्डह्न के आगे समर्पण कर दिया है। राहुल ने देश को सावधान करते हुए कहा कि 'भारत में 1.5 बिलियन भारतीयों का डेटा सुरक्षित रूप से स्टोर करना', 'अपने सोर्स कोड और एल्गोरिदम में पारदर्शिता लाना', 'हमारे डेटा का इस्तेमाल करके होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना मुश्किल होगी।' राजनैतिक पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राहुल गांधी की इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि अभी भारत को यह देखना है कि हमारा आईटी सेक्टर एआई के इस दौर के लिए कब पूरी तरह तैयार होगा। चैट जीपीटी जैसे बड़े लार्ज लैंग्वेज मॉडल भारत को खुद बनाने चाहिए, या छोटे-छोटे सेक्टर जैसे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए खास एआई टूल पर फोकस करना चाहिएझ एआई को चलाने के लिए बहुत सारे डेटा सेंटर चाहिए, जो बिजली और पानी बहुत इस्तेमाल करते हैं। क्या इससे पर्यावरण को नुकसान होगा?

व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा

संजय गोस्वामी

जीत हार सत्ता विपक्ष जीवन में आते रहते हैं लोग चुनाव में हार जीत को लेकर आपस में व्यक्तिगत शत्रु हो जाते हैं और अंहकारी हो जाते हैं लेकिन एक समय के बाद ऐ खत्म होने लगता है, यश, पद, सत्ता, धन आदि के लिए लोगों के पीछे घूमने से आप आत्म-प्रतिष्ठा खो देंगे, तथा कुछ न मिलेगा और यदि मिला भी तो वह प्रतिष्ठा की कीमत चुकाने से दुःखद हो जायगा। प्रयत्न का अर्थ आत्म-पतन नहीं होना चाहिए।दृढ़ विश्वास रखो कि चरित्र का अपना ही एक महत्व है। चरित्र की दृढ़ता मन को सम्बल प्रदान करती है। आध्यात्मिकता मनुष्य को पलायन नहीं सिखाती है, बल्कि उसके अन्तर्जगत को सुव्यवस्थित कर उसे कर्म की ओर प्रवृत्त करती है तथा उसे समभावजनित स्थायी सुख एवं शान्ति प्रदान करती है। अध्यात्म एक विज्ञान है, एक कला है, एक दर्शन है। अध्यात्म मानव के जीवन में जीने की कला के मूल रहस्य को उद्घाटित करा देता है। आध्यात्मिक वातावरण मानों मन के जख्मों को धोकर, उन पर दिव्य मरहम लगाकर मानव को मानसिक स्वस्थता प्रदान करता है। ध्यान का दैनिक अभ्यास स्वास्थ्य एवं शांति के लिए निद्रा की भाँति परम आवश्यक है। थकने पर निद्रा कैसी सुखदा प्रतीत होती है। निद्रा आने पर मनुष्य श्रेष्ठ संगीत, भोग्य पदार्थ एवं भौतिक सत्ता को भी भूल जाता है। वे हेय हो जाते हैं। मनुष्य की जाग्रत अवस्था में ध्यान, अन्तरंग का एक गहन सुख होता है, जो अनिर्वचनीय है। जीवन में भव्यतम क्या है, इसका दर्शन ध्यान द्वारा ही संभव है। इसकी तुलना में समस्त सुख फीके प्रतीत होने लगते हैं। ध्यान कोई तन्त्र-मन्त्र नहीं है। मन को विपरीत दिशा में अर्थात बाहर से भीतर की ओर ले जाना और उसे विचारों के स्त्रोत्र के साथ जोड़ देना एक कला है, जिसे ध्यान कहते हैं। ध्यान मन की एकाग्रता नहीं है, बल्कि मन को भीतरी चेतना के साथ जोड़ना है। ध्यान एक साधना है, जिसके द्वारा हम अपने भीतर आत्मानन्द उपजाते हैं। केसर सब स्थानों पर उत्पन्न नहीं होता है; उसके लिए उपयुक्त स्थान खोजना होता है तथा एक विशेष पद्धति अपनाकर अथक परिश्रम करना होता है। वे सब इच्छाएं और भय हमारे ही हैं, जो हमें अनजाने ही दुःखी रखते हैं। वे हमें भीड़ की भाँति घेरकर मानो पकड़ लेने का प्रयत्न करते हैं। धैर्य रखें तथा तटस्थ द्रष्टा ही रहकर अपने भीतर के गहरे स्तर को भी देखते ही रहें। वास्तव में अवचेतन मन भी गतिमान तो निरन्तर रहता है, किंतु हमें इसी अवस्था में ही उसका यह ज्ञान होता है । तब हमारे अवधान के समक्ष अवचेतन मन उद्घटित अथवा नग्न होकर दीखने लगता है। अवचेतन (अचेतन) के अतल गह्वरों में उतरने पर, समस्त संस्कारों, इच्छाओं, आशाओं, निराशाओं, स्मृतियों की परतों को उठाकर, अथवा उनका भेदन कर गहरे स्तर पर चेतना की निर्ग्रन्थ, निर्मल, अखण्ड सत्ता का संदर्शन एवं संस्पर्श हो जाता है। नित्यप्रति ऐसा अभ्यास करने पर ध्यान की पूर्वावस्था में धीरे-धीरे चेतन तथा अवचेतन मन प्रायः शान्त होने लगेंगे और उनकी चंचलता शिथिल अथवा न्यूनतम हो जायेगी। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका गर्व भूलकर भी साधक को नहीं करना चाहिए। सत्य का अनुसंधता सदैव विनम्र रहता है। व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा होती है। चरित्र ही आपकी सच्ची सत्ता है आपकी असली पहचान और शक्ति, आपकी प्रतिभा या धन-दौलत से कहीं ज्यादा आपके नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और व्यवहार से बनती है। चरित्र आपको जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है, सम्मान दिलाता है, और दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है।

लोग तो आपको अपनी दृष्टि से देखते हैं,आत्म-प्रेक्षपण करते हैं। जिनकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। दुष्ट लोग सन्तों को घुन्ना, छिपा रुस्तम, बना हुआ पाखंडी, ऊँचा कलाकार कह देते हैं और उन्हें दुष्ट सिद्ध करने का प्रयत्न करते हैं। किसी के गुणप्रकर्ष को न जा सकने से उसकी निंदा होने पर आश्चर्य नहीं है। न वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्ष स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम् । यथा किराती करिकुम्भजातां मुक्तां परित्यज्य बिभर्ति गुञ्जाम्। लोग तो अपने स्तर पर रहकर ही तथा अपनी शिक्षा और संस्कारों के अनुसार ही आपका मूल्याकांन करेंगे। वे आपके स्तर पर उठकर आपको कैसे देखें ? किंतु कुछ लोग तो जान-बूझकर गुणों को देखते ही नहीं और दोषों को ही देखते हैं। दुष्ट को दूसरों को दोष ही दिखाई देते हैं, गुण नहीं दीखते। सुंदर मणियों से विनिर्मित भवन में भी चींटी छिद्र ही ढूंढती है-सुन्दरमणिमयभवने पश्यति पिपीलिका रन्ध्रम्। छिद्रान्वेषण करना दुष्टों का स्वभाव होता है। दोषदर्शन से कटुता उत्पन्न होती है। सर्प और बिच्छु प्रकृतिवाले दुष्ट वाले (सैडिस्ट) दिनभर इसी में सुख मानते हैं कि आज कितने लोगों को रुला दिया और कितने लोगों को सता दिया। वे दूसरों को सताने में, दूसरों का अकारण अपमान करने में सुख मानते हैं। आप उनसे कितने ही बचें, वे आपको नहीं छोड़ते। वे बनावटी प्रेम दिखाकर खून चूस लेते हैं। अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए आपके पेट में घुसकर आपसे काम ले लेते हैं और आपको आवश्यकता होने पर वे आपको सहायता देने के बजाय हानि पहुँचाने में सक्रिय हो जाते हैं तथा अपने क्रूर अत्याचार को सिद्धान्तों का जामा पहनाकर स्वयं अच्छे, भले नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति जब उच्च पदाधिकारी अथवा धन के कारण सत्ताधारी हो जाते हैं, तो त्राहि-त्राहि मच जाती है। उनके दमन का डटकर प्रतिरोध करते हुए भी उन्हें प्रेम से ही सुधारा जा सकता है। सन्त उन्हें क्षणा ही करते हैं। साधुपुरुष संकट में भी उत्तम स्वभाव का परित्याग नहीं करते। कपूर आग में जलने पर सुगान्धित हो जाता है। स्वभावं न जहात्यन्तः साधुरापद्गतोऽपि सन्। कर्पूरः पावकप्लुष्टः सौरभं भजतेतराम्। निन्दक को धन्यवाद दो। यदि नाटक में खलनायक (विलेन) न हो, तो नायक (हीरो) के व्यक्तित्व में चमक न आयेगी। विश्वास रखो कि समाज में एक दिन आपकी सत्यनिष्ठा का मान अवश्य होगा। वास्तव में निंदक आपके नाम को चमकाने में लगे हुए हैं।

समाज में अपनी तथा दूसरों की निन्दा सुनकार उसे अपने सारे व्यक्तित्व में न समाने दें। शिव ने विष पीकर कण्ठ में धारण कर लिया और जनहित में जटाजूट से पतित-पावनी गंगा को प्रवाहित कर दिया। कटुता सहकर भी समाज के लिए उपयोगी बनने से ही आपकी पूजा होगी। समाज में अपमान और कष्ट के विष का पान करके भी अमृत उगलनेवाले महापुरुष समाज के सच्चे उपकारक होते हैं। दूसरों की चुगली करना और सुनना दोनों ही पतनकारक हैं। दूसरे की द्वेषप्रेरित झूठी चुगली सुनकर उस पर विश्वास कर लेना भूल है। केवल कानों से सुनी हुई ही नहीं, आँखों से देखी हुई बातें भी अनेक बार गलत सिद्ध हो जाती है। अपना विवेक खोकर तुरंत विश्वास कर लेना संकट उत्पन्न कर देता है। जाँच-पड़ताल के बाद ही भलाई और बुराई का निश्चय करना चाहिए। सद्भावना से प्रेरित होकर, किसी के सद्गुणों की सराहना एवं प्रशंसा करना सदैव उचित है, क्योंकि प्रायः प्रशंसा सदगुणों को प्रोत्साहन देती है। हम दूसरों का सत्कार करें। किंतु चापलूसी न करें और झूठ हाँ में हाँ न करें, क्योंकि कोई मनुष्य परमात्मा नहीं है। केवल परमात्मा ही परमात्मा है, मनुष्य केवल मनुष्य ही है। चापलूस अपनी चापलूसी से पद, सत्ता, धन आदि पा सकता है, किंतु उसे कभी कीर्ति प्राप्त नहीं हो सकती है। चापलूसी के मीठे जहर से बचना चाहिए। समाज में व्यक्तिगात शोषण के अतिरिक्त कुछ सामाजिक अत्याचार भी होते हैं-जातिवाद, बिरादरीबाद, प्रान्तवाद तथा कुटिल राजनीति इत्यादि के संकीर्ण दृष्टिकोण से। योग्य व्यक्ति के अधिकार छीन लिये जाते हैं और अयोग्य अथवा निम्नस्तरीय व्यक्ति को योग्य व्यक्ति के सिर पर बैठा दिया जाता है। इसके दो परिणाम संभव है-(1) व्यक्ति सिकुड़कर समाज के एक कोने में छिपकर पड़े हुए आत्मग्लानि की भट्टी में जलने से अच्छा है अपमानजनक स्थिति का अन्त कर दे। (2) अथवा वह हिंसा का सहारा लेकर अपराधी के रुप में सामाजिक अपराध करना प्रारंभ कर दे। किंतु विवेकशील व्यक्ति ऐसे समय में भी सुदृढ़ रहकर अपने मन में अथवा व्यवहार में ऐसी प्रतिक्रिया नहीं होने देता है।

विकास की धड़कन बना असम ब्रह्मपुत्र पर सेतु और अंडरवाटर टनल से बदलती क्षेत्रीय तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर-पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर-पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर-पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है।

विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18,600 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है।

इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर-पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है। असम, जो प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध है, अब बेहतर संपर्क के कारण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ सकेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के योगदान का विशेष उल्लेख किया। उनका कहना था कि भारतीय जनता पार्टी जहां भी पहुंची है, वह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रजीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति होती है। यह संदेश केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरक है। उत्तरझपूर्व के विकास की यह नई कहानी केवल सरकारी योजनाओं का विवरण नहीं है, बल्कि विश्वास, संकल्प और क्रियान्वयन का उदाहरण है। असम में बन रहे ये बड़े प्रोजेक्ट इस बात के संकेत हैं कि अब यह क्षेत्र देश के विकास की परिधि में नहीं, बल्कि केंद्र में है। पुल और टनल जैसी संरचनाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेंगी। गुवाहाटी की सभा में गूंजा ह्यभारत माता की जयह्न का उद्घोष केवल एक नारा नहीं, बल्कि उस भावना का प्रतीक है जो विकास, एकता और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश को आगे बढ़ा रही है। असम और पूरा उत्तर-पूर्व अब उस परिवर्तन का साक्षी बन रहा है, जो बुनियादी ढांचे से लेकर राष्ट्रीय पहचान तक हर स्तर पर दिखाई दे रहा है। यह समय है जब ब्रह्मपुत्र की धारा के साथ विकास की धारा भी समानांतर बह रही है, और उत्तर-पूर्व भारत के उज्ज्वल भविष्य की नई इबारत लिखी जा रही है।

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न

हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं

बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनज़ीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस.)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टटेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

बीजेपी के राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को कर्नाटक हाईकोर्ट ने किया रद्द

-कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी सरकार पर 40 फीसदी कमीशन का लगाया था आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को राहत देते हुए बीजेपी की राज्य इकाई द्वारा दायर मानहानि की शिकायत को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा जारी समन और पूरी कार्यवाही को चुनौती दी थी। यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन बीजेपी सरकार पर 40फीसदी कमीशन का आरोप लगाते हुए प्रमुख अखबारों में करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन प्रकाशित किए थे। बीजेपी ने इसे मानहानि बताते हुए राहुल गांधी, सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने फैसले सुनाते हुए साफ किया कि राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। राहुल गांधी के वकीलों ने दलील दी थी कि विज्ञापन पार्टी द्वारा जारी किया गया था और राहुल गांधी का इसे सोशल मीडिया पर साझा करना मानहानि की श्रेणी में नहीं आता, क्योंकि वे उस समय किसी आधिकारिक पार्टी पद पर नहीं थे और न ही इसमें उनकी सीधी भूमिका थी। इससे पहले निचली अदालत ने उन्हें पेशी से स्थायी छूट दी थी, लेकिन अब हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है।

सलीम खान की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल पहुंचे सलमान, फैंस हुए चिंतित

मुंबई (एजेंसी)। सुपरस्टार और बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के पिता हिंदी सिनेमा के दिग्गज लेखक सलीम खान की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिता की हालत की सूचना मिलते ही सलमान आनन-फानन अस्पताल पहुंचे। सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की खबर फैलते ही फैंस सोशल मीडिया पर उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर कर रहे हैं और जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। फिलहाल परिवार की ओर से साफ नहीं किया गया है कि उन्हें किस वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिता की तबीयत बिगड़ने के बीच सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार से उतरकर तेजी से अस्पताल के अंदर जाते दिख रहे हैं। वीडियो में उनके चेहरे पर चिंता और मायूसी साफ नजर आती है। बता दें 90 साल के सलीम खान को हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे प्रभावशाली लेखकों में गिना जाता है। 1970 के दशक में जावेद अख्तर के साथ उनकी जोड़ी सलीम-जावेद ने इंडस्ट्री को कई यादगार और ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इस जोड़ी ने दीवार, जंजीर और डॉन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड के 'एंग्री यंग मैन' दौर को नई पहचान दी और अमिताभ बच्चन को सुपरस्टार बनाया। अभी तक सलीम खान की सेहत को लेकर परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फैंस और इंडस्ट्री उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं।

जम्मू-जुवेनाइल सेंटर से 2 पाकिस्तानी सहित 3 नाबालिग फरार: मामले में 6 अधिकारी सस्पेंड

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर से 2 पाकिस्तानी नागरिक सहित 3 नाबालिग फरार हुए। इसी मामले में मंगलवार को 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए। नाबालिगों के सेंटर से फरार होने की घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी। 22 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा हैं कि शाम करीब 5.15 बजे दो नाबालिग झगड़ा कर रहे हैं। तभी सेंटर के दो कर्मचारी पास ही खड़े उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं। तभी कैप पहना हुआ नाबालिग पीछे से आकर कर्मचारी के सिर पर फायर कर देता है। फायर होते ही दोनों कर्मचारी पीछे हटते हैं। इसमें नाबालिग फिर से गन लोड कर दूसरा फायर करने की कोशिश करता है, लेकिन फायर नहीं होता। इसके बाद तीन नाबालिग सेंटर से भाग निकलते हैं। वहीं, जुवेनाइल सेंटर से फरार नाबालिग में एक की मां भी लापता हैं। पुलिस के मुताबिक महिला की तलाश की जा रही है। नाबालिग की फायरिंग में एसओपी विनय कुमार और हेड कांस्टेबल पर्वीन कुमार को घायल हुए हैं। उनका इलाज जारी है। नाबालिग के पास पिस्टल कैसे पहुंची, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। फरार कैदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। टीम की अलग-अलग जगहों पर छापेमारी जारी है। जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी है। नागरिकों से जानकारी देने का अनुरोध किया है।

बिश्नोई गैंग के गुर्गे शुभम लोनकर व उसके भाई ने रची रोहित शेट्टी के घर हमले की साजिश

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने सनसनीखेज खुलासा किया है। यह हमला लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े महाराष्ट्र प्रमुख शुभम लोनकर और उसके भाई प्रवीण लोनकर ने करवाया था। घटना 1 फरवरी 2026 की रात हुई, जब अज्ञात हमलावरों ने रोहित शेट्टी के घर के बाहर 4-5 राउंड फायरिंग की थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे शुभम लोनकर ने सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली और निर्देशक को धमकी भी दी। पुलिस जांच में पता चला कि प्रवीण लोनकर, जो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में जेल में बंद है। इसके बावजूद उसने जेल से ही इस साजिश को अंजाम दिया। उसने हथियार, बाइक और आर्थिक मदद मुहैया कराई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच को शक है कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए ही इस पूरे अपराध की साजिश रची, जिसमें मुख्य शूटर को निर्देश दिए गए। हमले से पहले कई दिनों तक रेकी की गई, स्कूटी पुणे से 30 हजार रुपए में खरीदी गई और मुंबई लाई गई। मुख्य आरोपी शुभम लोनकर ने पैसे और हथियार सप्लाई किए, जबकि प्रवीण ने तीन हथियार उपलब्ध कराए। आरोपियों ने सिग्नल या टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स से संवाद किया और बाद में डिलीट कर दिए।

चुनावी राज्यों में कांग्रेस की आतंरिक कलह बढ़ा रही मुसीबत, बगावती सुरों ने बढ़ाई नेतृत्व की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर गहराती गुटबाजी और नेतृत्व पर उठते सवालों ने संगठन के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। केरल, असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में पार्टी के भीतर असंतोष के सुर मुखर हो रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं की बयानबाजी और गठबंधन सहयोगियों के साथ बढ़ते तनाव ने पार्टी आलाकमान की रातों की नींद उड़ा दी है।

केरल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के हालिया बयान ने पार्टी को असहज कर दिया है। अय्यर ने भविष्यवाणी की है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी। हालांकि पार्टी ने उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है, लेकिन अय्यर अपने स्टैंड पर कायम हैं। उन्होंने तर्क दिया कि एक कांग्रेसी के रूप में वह यूडीएफ की जीत चाहते हैं, लेकिन एक गांधीवादी होने के नाते वह सच बोलने के लिए बाध्य हैं। केरल की राजनीति में हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है, जिसे 2021 में विजयन ने तोड़ दिया था। अब अय्यर की इस टिप्पणी ने कांग्रेस की सत्ता में वापसी की उम्मीदों को करारा झटका दिया है।

उधर असम में भी स्थिति सामान्य नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफे ने पार्टी के भीतर मचे घमासान को सार्वजनिक कर दिया। बोरा का आरोप था कि केंद्रीय नेतृत्व उन्हें नजरअंदाज कर रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। बेहाली प्रकरण और माजुली यात्रा जैसे निर्णयों पर असंतोष जताते हुए उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेजा था। हालांकि, राहुल गांधी के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया है, लेकिन पार्टी के भीतर मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा और आंतरिक मतभेद अभी भी बरकरार हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस का गहराता संकट बताते हुए कटाक्ष किया है।

तमिलनाडु में कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती सत्ताधारी डीएमके के साथ गठबंधन को बचाए रखना है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बाद कोई सत्ता साझेदारी नहीं होगी। कांग्रेस द्वारा अधिक सीटों और सरकार में हिस्सेदारी की मांग को स्टालिन ने षड्यंत्र करार दिया है। मणिक्कम टैगोर जैसे नेताओं की चेतावनी और अभिनेता विजय की नई पार्टी के उभार ने राज्य के समीकरणों को और जटिल बना दिया है। राहुल गांधी के लिए यह गठबंधन टूटने का खतरा सबसे बड़ा सिरदर्द बन गया है, क्योंकि तमिलनाडु में डीएमके के बिना कांग्रेस की स्थिति बेहद कमजोर हो सकती है। पश्चिम बंगाल में तो इंडिया गठबंधन के दो प्रमुख घटक, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस, पूरी तरह आमने-सामने हैं। ममता बनर्जी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में एकला चलो की राह अपनाते हुए अकेले लड़ने का ऐलान किया है, जिसके जवाब में कांग्रेस ने भी राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की बात करने वाले दल राज्य स्तर पर एक-दूसरे के धुर विरोधी नजर आ रहे हैं। इन तमाम परिस्थितियों के बीच भाजपा ने तंज कसते हुए कहा है कि जब पार्टी के अपने ही नेता नेतृत्व पर भरोसा नहीं कर रहे, तो जनता उन पर विश्वास कैसे करेगी।

अमेरिकी प्रतिबंधों के घेरे में आए तीन ईरानी तेल टैंकरों को भारत ने किया जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुपालन को लेकर भारत पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। ताजा घटनाक्रम में भारतीय अधिकारियों ने ईरान से जुड़े उन तीन तेल टैंकरों को जब्त किया है, जिन पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया गया था। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब टैरिफ विवादों के कारण तनावपूर्ण रहे भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और अमेरिका ने हाल ही में भारत पर लगाए गए टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए इन टैंकरों की पहचान स्टैलर रूबी, एस्फाल्ट स्टार और अल जाफजिया के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि इन जहाजों ने तटीय राज्यों के कानूनों से बचने और अपनी पहचान छिपाने के लिए बार-बार अपने नाम और विवरण बदले थे। भारतीय नौसेना और तट रक्षक बल का मुख्य उद्देश्य शिप-टू-शिप यानी एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल के अवैध हस्तांतरण को रोकना है। अक्सर तेल के मूल स्रोत को छिपाने और प्रतिबंधों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। भारतीय अधिकारियों की इस मुस्तैदी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समुद्री सीमाओं की कड़ी निगरानी के लिए करीब 55 युद्धपोत और 10 से 12 टोही विमान तैनात किए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इन तीनों में से दो टैंकर सीधे तौर पर ईरान से जुड़े हैं। स्टैलर रूबी पर ईरान का झंडा लगा है, जबकि अल जाफजिया ने साल 2025 में ईरान से जिबूती तक तेल का परिवहन किया था। वहीं, एस्फाल्ट स्टार लंबे समय से चीन के समुद्री क्षेत्र के आसपास सक्रिय था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने ग्लोबल पीस, चिल 1 और ग्लोरी स्टार 1 नामक जहाजों पर प्रतिबंध लगाया था, जिनके आईएमओ नंबर भारत द्वारा पकड़े गए इन जहाजों से मेल खाते हैं।

नवनीत राणा का बड़ा बयान: देश में बाबरी बनाने वालों को कब्र के लिए भी जगह नहीं मिलेगी

छतरपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कथित तौर पर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर ढांचा तैयार करने की योजना को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात के बाद उन्होंने एक विवादित और आक्रामक बयान जारी किया। नवनीत राणा ने हुमायूं कबीर की योजनाओं पर प्रहार करते हुए सीधे शब्दों में कहा कि हिंदुस्तान में बाबरी बनाने की सोच रखने वालों को कब्र के लिए भी जगह नसीब नहीं होगी।

अपने संबोधन के दौरान उन्होंने धार्मिक और प्रतीकात्मक हथियारों का जिक्र करते हुए खुद को महाराष्ट्र की बेटी बताया। उन्होंने कहा कि वह मैदान में माला और तलवार, दोनों के साथ खड़ी हैं। संतों की शिक्षाओं का हवाला देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के समय में हाथों में सिर्फ माला होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि माला के साथ-साथ भाला होना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जरूरत पड़ने पर तलवार लेकर मैदान में उतरने से पीछे नहीं हटेंगी। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद जैसी संरचना बनाने के प्लान के विरोध में बोलते हुए नवनीत राणा ने चेतावनी दी कि जो लोग देश के भीतर फिर से बाबरी जैसी विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं, उन्हें इसके गंभीर अंजाम भुगतने होंगे। उन्होंने दावा किया कि ऐसे तत्वों के लिए भारत की धरती पर कोई स्थान शेष नहीं बचेगा। नवनीत राणा का यह बयान उस समय आया है जब मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर राजनीतिक गलियारों में पहले से ही तनाव की स्थिति बनी हुई है। उनके इस आक्रामक रुख और माला के साथ भाला वाले बयान ने इस बहस को और तेज कर दिया है। फिलहाल उनके इस बयान पर विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार है, लेकिन उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि वह इस मुद्दे पर किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं हैं।

हिमाचल विधानसभा में हंगामा, राज्यपाल ने 2 मिनट में खत्म किया अभिभाषण

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आगाज़ एक ऐसी असाधारण घटना के साथ हुआ जिसने राज्य के संसदीय इतिहास में नया विवाद खड़ा कर दिया है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के बीच रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) और केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर मतभेद सदन के भीतर खुलकर सामने आ गए। राज्यपाल ने दुर्लभ कदम उठाते हुए अपना अभिभाषण महज 2 मिनट 1 सेकंड में समाप्त कर दिया और सदन के पटल पर सरकार द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज़ के महत्वपूर्ण हिस्सों को पढ़ने से इनकार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण के वे अंश थे जिनमें केंद्र सरकार और कुछ संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज की तीखी आलोचना की गई थी। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि दस्तावेज़ के पृष्ठ 1 से 16 तक की सामग्री संस्थागत ढांचे के प्रतिकूल है और वे संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां नहीं पढ़ सकते। इसके चलते उन्होंने केवल शुरुआती दो पैराग्राफ और अंतिम हिस्सा पढ़ा, जबकि वित्तीय स्थिति और केंद्र से मिलने वाली सहायता से जुड़े पैरा 3 से 16 को छोड़ दिया। सदन से बाहर निकलते समय उन्होंने विधायकों से शेष पाठ स्वयं पढ़ने को कहा, जिससे विपक्षी खेमे और सत्ता पक्ष के बीच हलचल तेज हो गई। इस पूरे टकराव के केंद्र में रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत यह अनुदान उन राज्यों को दिया जाता है जिनकी आय और अनिवार्य खर्चों के बीच बड़ा अंतर होता है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य के लिए यह राशि वित्तीय रीढ़ की हड्डी के समान है। विवाद तब गहराया जब 16वें वित्त आयोग ने वित्त वर्ष 2026-27 से इस अनुदान को बंद करने का निर्णय लिया, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरडीजी राज्य का अधिकार है और वह इसके लिए लड़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के हक का मामला है। राज्य पर वर्तमान में संशोधित वेतन एरियर के करीब 8,500 करोड़ रुपये और महंगाई भत्ते के 5,000 करोड़ रुपये का भारी बोझ है। यदि आरडीजी बंद होती है, तो कर्मचारियों के वेतन और भत्तों के भुगतान पर अनिश्चितकालीन संकट आ सकता है। राज्यपाल और सरकार के बीच हुआ यह तीखा टकराव संकेत दे रहा है कि आगामी बजट सत्र के दौरान राजभवन और सचिवालय के बीच का यह सियासी शीतयुद्ध विधानसभा की चर्चाओं को और अधिक आक्रामक बनाएगा।

असम सीएम सरमा मीरजापुर पहुंचे, राहुल गांधी को बताया मानसिक बीमार

मीरजापुर (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार रात में विंध्यधाम पहुंचकर मां विंध्यवासिनी की पूजा अर्चना की। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। वह वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद विंध्यधाम पहुंचे। यहां विधायक समेत कई लोगों ने अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां का दर्शन करने के बाद हिमंत सरमा ने कहा कि राहुल गांधी मानसिक रूप से बीमार है। देश में कोई भी राहुल वादी नहीं है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी को एक बराबर सम्मान दिए जाने की बात पर उन्होंने कहा कि इन लोगों की बात का कोई मतलब नहीं हो सकता। एक हिंदू रक्षक थे तो दूसरा हिंदू भक्षक फिर दोनों बराबर सम्मान के अधिकारी कैसे हो सकते है। उन्होंने कहा कि असम की हालत बहुत खराब है।

हाथों में दूषित पानी लेकर विधानसभा पहुंचे विधायक, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के आज दूसरे दिन यानी मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस ने इंदौर के भागीरथपुरा के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस विधायक हाथों में दूषित पानी और तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वहीं इस पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने पलटवार भी किया हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर पलटवार किया है। भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा का कांग्रेस को नैतिक रूप से इस्तीफा मांगने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस की नीतियों के कारण यह स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने जो किया, हम आगे सुधारेंगे।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार टैक्स लेती है तो क्या स्वच्छ पानी पिलाने की जवाबदारी नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण में कहते है मेरी सरकार स्वच्छ पानी पिला रही है, तो कहां स्वच्छ पानी मिल रहा है ? सरकार क्यों बहस से डर रही है। इंदौर की जनता श्मशान घाट जा रही है और मंत्री कुर्सी पर बैठे हुए है। तत्काल मुख्यमंत्री को मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए। दरअसल, इंदौर में हुए पानी कांड ने मध्य प्रदेश समेत पूरे देश को झकझोर कर रखा दिया था। भागीरथपुरा इलाके में दूषित (गंदा) पानी पीने से 25 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हालांकि सरकारी रिकॉर्ड में आंकड़ें अलग है। इस मामले पर जमकर सियासत भी हुई थी। विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन करते हुए दोषियों पर कार्रवाई और मंत्री से इस्तीफे की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ उज्जैन के तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि इंदौर प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पूरे विश्व में शर्मसार किया है। दूषित पानी पीने से लगभग 35 से 40 लोगों की मौत हो गई। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पदोन्नति देकर ऊपर भेज दिया गया। इन मासूम लोगों की मौत के लिए जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। बीजेपी को शर्म आना चाहिए।

बुधवार को पेश होगा बजट

बता दें कि एमपी विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही सोमवार 16 फरवरी से शुरू हो चुकी है। जो 6 मार्च तक चलेगी। आज मंगलवार को सत्र का दूसरा दिन है। कल यानी बुधवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इस सत्र में कुल 3478 प्रश्नों की विधानसभा को सूचनाएं, 236 ध्यानाकर्षण, 10 स्थगन प्रस्ताव, 41 अशासकीय संकल्प पेश होंगे। शून्य काल में विधानसभा में 83 सवाल होंगे।

तवांग की बर्फबारी में फंसी गाड़ी तो किरेन रिजिजू धक्का लगाते दिखे,

मंत्री का संदेश– पहाड़ी इलाकों में हर परिस्थिति के लिए रहें तैयार

तवांग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में भारी बर्फबारी के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे स्थानीय लोगों और कर्मचारियों के साथ मिलकर बर्फ में फंसी एक गाड़ी को धक्का देते नजर आ रहे हैं। मंत्री ने यह वीडियो अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है, कि तवांग क्षेत्र में बर्फबारी इतनी तेज है कि सड़क पर वाहन मुश्किल से आगे बढ़ पा रहे हैं। इसी दौरान एक वाहन बर्फ में फंस गया, जिसके बाद रिजिजू खुद गाड़ी से उतरकर लोगों के साथ उसे धक्का लगाने लगे। कुछ प्रयासों के बाद वाहन को आगे बढ़ाने में सफलता मिली। इस वीडियो को साझा करते हुए रिजिजू ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि तवांग जैसे दुर्गम इलाकों में मौसम अचानक बदल सकता है, इसलिए हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना जरूरी है। उन्होंने यात्रियों से आवश्यक सामान और सुरक्षा उपायों के साथ ही सफर करने की सलाह दी। केंद्रीय मंत्री ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की, जो लगातार बर्फ हटाने और सड़कों को चालू रखने में जुटा है। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम परिस्थितियों में बीआरओ की चौकसी और तत्परता सराहनीय है।

तवांग क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार हिमपात हो रहा है, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई है। बर्फ की मोटी परत के कारण छोटे और बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। बीआरओ की टीमें मशीनों और कर्मियों के साथ सड़क साफ करने में लगी हैं ताकि आवश्यक सेवाएं और यातायात सुचारु रूप से चल सके। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो को लोग व्यापक रूप से साझा कर रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे 'जमीनी स्तर पर सक्रिय नेता' की मिसाल बताते हुए मंत्री की सराहना की है।

मछुआरों के बच्चों ने 48 गांव प्लास्टिक फ्री कर 6 बीच तैयार किए... अब रोज 300 पर्यटक आ रहे

कन्याकुमारी (एजेंसी)। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हिंद महासागर के तट पर बसे 48 गांवों को मछुआरों के बच्चों ने प्लास्टिक मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही पर्यटकों के लिए 6 बीच तैयार किए हैं। करीब 15 किमी में फैले मछुआरों के गांवों के इन बीच पर पहले सिर्फ मछलियां ही पकड़ी जाती थीं। अब रोज यहां 250-300 पर्यटक पहुंच रहे हैं। यह सब बिना किसी एनजीओ के प्रयास या सरकारी फंड के मुमकिन हुआ है। यहां 'नेगिजी इल्ला नेथल पडई' (प्लास्टिक मुक्त तटीय ब्रिगेड) नाम की पूरी टीम काम कर रही है। इसमें 850 स्कूली बच्चे और 500 ग्रेजुएट हैं। ये सभी इन्हीं गांवों के हैं। ये हर वीकेंड ग्रुप बनाकर गांवों व तट साफ करते हैं।

7 सालों से चल रही इस मुहिम को इंजीनियर मेलबिन रॉबिन ने 2019 में शुरू की थी। उन्होंने 2017 के 'ओखी चक्रवात' में अपने दो भाइयों को खो दिया था। चक्रवात के बाद उन्होंने देखा कि प्लास्टिक के मलबे की वजह से तबाही ज्यादा हुई थी। इसलिए दो दोस्तों के साथ तट की सफाई शुरू की। यह ग्रुप किसी से फंडिंग या मदद नहीं मांगता। इकट्ठा किए प्लास्टिक को बेचकर जो पैसा मिलता है, उसी से वॉलंटियर्स के लिए दस्ताने, जूते और सफाई के उपकरण खरीदते हैं।

वॉलंटियर्स ने मछुआरों को तैयार किया है कि वे समुद्र में इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक वापस जमीन पर लाएं। अब तक इस टीम ने तटों से 7,400 किलो प्लास्टिक कचरा हटाया है। इसके साथ ही चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में 1,200 से अधिक नारियल और जामुन के पेड़ लगाए गए हैं।

मछुआरों के बच्चों की यह ब्रिगेड सिर्फ सफाई नहीं करती, बल्कि लोगों का व्यवहार बदल रही है। उन्होंने 'डोर-टू-डोर' दूध के पैकेट कलेक्शन की शुरुआत की है। पिछले साल सिर्फ तीन गांवों से ही 5 लाख से ज्यादा दूध के पैकेट इकट्ठा कर रीसाइकिल के लिए भेजे गए। जो परिवार सबसे ज्यादा प्लास्टिक रीसाइकिल करता है, उसे यह ब्रिगेड साइकिल या अन्य जरूरी घरेलू सामान उपहार में देती है।

एनएचएआई ने दो राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए 6,220 करोड़ जुटाए

- महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल

नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में फैले 310.35 किलोमीटर लंबी दो राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट (एनएचआईटी)के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसमें महाराष्ट्र में एनएच-53 का 255.97 किमी अमरावती-चिखली-तार्सोद खंड और आंध्र प्रदेश में एनएच-16 का 54.38 किमी गुंडुगोलानु-चिन्ना-अवुतापल्ली खंड शामिल हैं। प्रस्ताव की स्वीकृत राशि 6,220.90 करोड़ रुपये। 'प्राधिकरण के चेयरमैन ने कहा` कि देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के आगे विकास के लिए वित्तीय पूंजी जुटाने में आईएनवीआईटी (अवसंरचना निवेश ट्रस्ट) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस ठेके के साथ एनएचआईटी के माध्यम से मुद्रीकृत कुल परिसंपत्तियां 49,858 करोड़ रुपये होंगी। ष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित एक निवेश (आईएनवीआईटी) राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट ने अब तक सीपीपीआईबी, ओटीपीपी, ईपीएफओ, एनएचएआई और एसबीआई समूह जैसे प्रमुख निवेशकों से चार दौर में पूंजी जुटाई हैं। 700 से अधिक निवेशकों के साथ, एनएचआईटी की इकाइयों का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 28,000 करोड़ रुपये है। एनएचआईटी की इकाइयां एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा मौजूदा परिसंपत्तियों के मूल्य को बढ़ाने और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने के प्रयासों में परिसंपत्ति मुद्रीकरण एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उभरा है। टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (टीओटी) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनवीआईटी) जैसे मॉडलों का लाभ उठाकर, एनएचएआई ने सफलतापूर्वक धन जुटाया है।

भारत की आर्थिक वृद्धि में निवेश और विस्तार के अवसर मौजूद : वित्त मंत्री

- नॉर्वे में निवेश और व्यापार सहयोग पर हुई चर्चा

नई दिल्ली । भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नॉर्वे के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत में निवेश और व्यापार के बड़े अवसरों पर जोर दिया। विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा परियोजनाएं, रेयर अर्थ प्रोसेसिंग और कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते का लाभ उठाने की सहमति व्यक्त की। चर्चा में ब्लू इकॉनमी, ग्रीन इकॉनमी, साथ ही सॉवरेन वेल्थ और पेंशन फंड के माध्यम से निवेश के क्षेत्रों को बढ़ावा देने की रणनीतियों को शामिल किया गया। स्टोलटेनबर्ग ने वित्त मंत्री को बताया कि नॉर्वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस वर्ष के अंत में होने वाली यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उम्मीद जताई गई कि इस यात्रा से भारत-नॉर्वे द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा।

सीतारमण ने ओस्लो में वित्त समिति, ईएफटीए समिति और भारतीय-नॉर्वेजियन मैत्री समूह के प्रमुख से भी मुलाकात की। उन्होंने समिति को गिफ्ट-आईएफएससी के दौरे के लिए आमंत्रित किया और इसे एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी वित्तीय केंद्र बताते हुए निवेश के अवसरों और कर लाभों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने नॉर्वे के सीईओ और निवेशकों के साथ गोलमेज चर्चा और प्रवासी भारतीय समुदाय से मिलने का कार्यक्रम भी रखा।

एनएचएआई ने दो राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए 6,220 करोड़ जुटाए

- महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में फैले 310.35 किलोमीटर लंबी दो राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट (एनएचआईटी)के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसमें महाराष्ट्र में एनएच-53 का 255.97 किमी अमरावती-चिखली-तार्सोद खंड और आंध्र प्रदेश में एनएच-16 का 54.38 किमी गुंडुगोलानु-चिन्ना-अवुतापल्ली खंड शामिल हैं। प्रस्ताव की स्वीकृत राशि 6,220.90 करोड़ रुपये। 'प्राधिकरण के चेयरमैन ने कहा` कि देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के आगे विकास के लिए वित्तीय पूंजी जुटाने में आईएनवीआईटी (अवसंरचना निवेश ट्रस्ट) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस ठेके के साथ एनएचआईटी के माध्यम से मुद्रीकृत कुल परिसंपत्तियां 49,858 करोड़ रुपये होंगी। ष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित एक निवेश (आईएनवीआईटी) राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट ने अब तक सीपीपीआईबी, ओटीपीपी, ईपीएफओ, एनएचएआई और एसबीआई समूह जैसे प्रमुख निवेशकों से चार दौर में पूंजी जुटाई हैं। 700 से अधिक निवेशकों के साथ, एनएचआईटी की इकाइयों का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 28,000 करोड़ रुपये है। एनएचआईटी की इकाइयां एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा मौजूदा परिसंपत्तियों के मूल्य को बढ़ाने और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने के प्रयासों में परिसंपत्ति मुद्रीकरण एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उभरा है। टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (टीओटी) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनवीआईटी) जैसे मॉडलों का लाभ उठाकर, एनएचएआई ने सफलतापूर्वक धन जुटाया है। इस राशि को नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पुनर्निवेश किया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मुद्रीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों की कुल राशि लगभग 28,077 करोड़ रुपये है।राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की गुणवत्ता एवं दीर्घावधि में वृद्धि के लिए यह दृष्टिकोण न केवल वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है बल्कि निजी क्षेत्र की कार्यकुशलता तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों को भी शामिल करता है।

एनआरआई का भारत की ओर रुझान, स्वास्थ्य बीमा खरीद में 126 फीसदी उछाल

- कम प्रीमियम और डिजिटल सुविधा की वजह से वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

डिजिटल बीमा प्लेटफॉर्म पॉलिसी बाजार की ताजा रिपोर्ट के अनुसार विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) द्वारा भारत में खरीदी जा रही स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में सालाना आधार पर 126 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह रुझान दर्शाता है कि एनआरआई अब भारतीय स्वास्थ्य बीमा को केवल आपातकालीन जरूरत के लिए नहीं, बल्कि एक संपूर्ण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कम प्रीमियम, आसान डिजिटल प्रक्रिया और एआई आधारित टेलीमेडिकल जांच जैसी सुविधाओं ने इस वृद्धि को गति दी है। जहां खाड़ी देशों में स्वास्थ्य बीमा का प्रीमियम 2000 से 3000 डॉलर तक पहुंच जाता है, वहीं भारत में समान कवरेज 120 से 300 डॉलर के बीच उपलब्ध है। कई मामलों में हवाई यात्रा का खर्च जोड़ने के बाद भी भारत में इलाज अधिक किफायती पड़ता है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कुवैत सहित खाड़ी देशों से कुल मांग का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा आ रहा है। यूरोप से करीब 25 प्रतिशत, जबकि अमेरिका और कनाडा से 17 प्रतिशत मांग दर्ज की गई है। एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अफ्रीका से 8 प्रतिशत ग्राहक भारतीय पॉलिसियां खरीद रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि परिवार फ्लोटर पॉलिसियों में 70 प्रतिशत और माता-पिता के लिए अलग कवरेज में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि एनआरआई अपने भारत में रह रहे परिजनों की दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

भारत में डिजिटल भुगतान की क्रांति, यूपीआई बना सबसे भरोसेमंद माध्यम

- कुल डिजिटल लेन-देन में लगभग 11 गुना वृद्धि दर्ज की गई

मुंबई । जहां कभी लेन-देन के लिए नकदी ही सबसे बड़ा सहारा हुआ करती थी, वहीं अब डिजिटल भुगतान आम बात हो गई है। डेबिट-क्रेडिट कार्ड के दौर के बाद मोबाइल आधारित भुगतान प्रणाली ने बाजार पर कब्जा जमा लिया है। खासकर नेशनल पेमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा संचालित यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भुगतान व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब यूजर्स क्यूआर कोड स्कैन कर सेकेंडों में पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, जिससे यह सुविधा लोगों की पहली पसंद बन गई है। वित्त मंत्रालय की स्टडी के मुताबिक भारत में डिजिटल भुगतान और संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर में तेज़ी से वृद्धि हुई है। कुल डिजिटल लेन-देन में लगभग 11 गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

यूपीआई की हिस्सेदारी अब कुल डिजिटल भुगतान का 80 फीसदी तक पहुंच गई है। क्यूआर कोड की संख्या 9.3 करोड़ से बढ़कर 65.8 करोड़ हो गई है, जबकि थर्ड-पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स 16 से 38 तक पहुंच गए हैं, जो बढ़ती फिनटेक भागीदारी को दर्शाता है। 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग में यूपीआई का उपयोग 66 फीसदी तक पहुंच गया है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी तेज, आसान और कैशलेस लेन-देन को प्राथमिकता दे रही है। यूपीआई अब कुल भुगतान लेन-देन का 57 फीसदी हिस्सा संभाल रहा है, जबकि नकदी का हिस्सा केवल 38 फीसदी है। 65 फीसदी उपयोगकर्ता दिन में कई बार डिजिटल भुगतान करते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक का घाटा कम हुआ, राजस्व में गिरावट

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही मे घाटा घटाकर 487 करोड़ रुपये किया, जो पिछले साल की समान तिमाही के 564 करोड़ रुपये से कम है। वहीं राजस्व 470 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर लगभग 55 फीसदी घटा। तिमाही में कुल 32,680 यूनिट्स डिलीवर की गईं। ग्रॉस मार्जिन रिकॉर्ड 34.3 फीसदी पर पहुंचा। कंपनी ने इस तिमाही को स्ट्रक्चरल रीसेट का दौर बताया। रिटेल नेटवर्क और ऑपरेटिंग मॉडल में बदलाव किए गए, लागत कम करने और सर्विस नेटवर्क मजबूत करने पर जोर दिया गया। आने वाले तिमाहियों में परिचालन व्यय 250-300 करोड़ रुपये प्रति तिमाही तक घटाने का लक्ष्य रखा गया। ओला ने बैटरी उत्पादन दोगुना कर 72,418 सेल्स तक पहुंचाया। इन-हाउस 4680 भारत सेल पहली बार व्यावसायिक वाहन में तैनात किए गए। गीगाफैक्ट्री की वर्तमान क्षमता 2.5 जीडब्ल्यूएच है, जिसे मार्च 2026 तक 6 जीडब्ल्यूएच करने की योजना है।

भारत का कुल निर्यात 860 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने की संभावना

अप्रैल-जनवरी 2025-26 में कुल निर्यात 720.76 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 860 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसमें सेवा निर्यात 410 अरब डॉलर के स्तर पर रहने का अनुमान है। अप्रैल-जनवरी 2025-26 में कुल निर्यात 720.76 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के समान अवधि के 679.02 अरब डॉलर की तुलना में 6.15 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2026 में वस्तु निर्यात 36.56 अरब डॉलर रहा, जो साल-दर-साल 0.6 प्रतिशत बढ़ा। प्रमुख बढ़त देने वाले उत्पादों में इंजीनियरिंग उत्पाद (10.40 अरब डॉलर, प्लस 10.37 फीसदी), पेट्रोलियम उत्पाद (3.77 अरब डॉलर, प्लस 8.55 फीसदी), मीट, डेयरी और पोल्ट्री (0.61 अरब डॉलर, प्लस 17.92 फीसदी), समुद्री उत्पाद (0.61 अरब डॉलर, प्लस 13.29 फीसदी) और लोहा एवं लौह अयस्क (0.21 अरब डॉलर, प्लस 31.54 फीसदी) शामिल हैं। अप्रैल-जनवरी 2025-26 में कुल आयात 823.41 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। जनवरी में आयात में तेज़ी मुख्य रूप से सोना और चांदी की कीमतों बढ़ने से हुई। इसी दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 102.65 अरब डॉलर हो गया। जनवरी में अमेरिका को वाणिज्यिक निर्यात 6.58 अरब डॉलर तक पहुंचा, मासिक आधार पर 4.5 फीसदी की गिरावट के साथ। 7 फरवरी से अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क घटा दिया।

भारत में जनवरी में बेरोजगारी दर पांच फीसदी तक बढ़ी

- ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी सुस्ती प्रमुख कारण बनी

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में जनवरी, 2026 में बेरोजगारी दर बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई, जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.8 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बताया कि यह वृद्धि मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई के बाद आई मौसमी सुस्ती और कुछ श्रमिकों द्वारा अस्थायी रूप से काम की तलाश न करने के कारण हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर दिसंबर के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में यह 6.7 प्रतिशत से बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई। एनएसओ ने कहा कि शहरी श्रम बाजार की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही। पुरुषों में बेरोजगारी दर लगभग स्थिर रही, जबकि महिलाओं में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एनएसओ ने इसे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव बताया, न कि श्रम बाजार की संरचनात्मक कमजोरी। जनवरी में कुल एलएफपीआर 55.9 प्रतिशत रही, ग्रामीण में 58.7 प्रतिशत और शहरी में 50.3 प्रतिशत। महिला एफएफपीआर जनवरी में 35.1 प्रतिशत रही, ग्रामीण में 39.7 फीसदी और शहरी में 25.5 फीसदी रही। कुल डब्ल्यूपीआर जनवरी में स्थिर रही। ग्रामीण क्षेत्र में यह 56.2 प्रतिशत, शहरी में 46.8 प्रतिशत। पुरुष और महिला डब्ल्यूपीआर में ग्रामीण क्षेत्रों में मामूली गिरावट, शहरी क्षेत्रों में स्थिरता रही। एनएसओ ने बताया कि यह आंकड़ा 3,73,158 व्यक्तियों से संकलित किया गया है। जनवरी, 2025 से पीएलएफएस की पद्धति में संशोधन के बाद अब मासिक और तिमाही अनुमान जारी किए जाते हैं।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इस कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 173.81 अंक बढ़कर 83,450.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.65 अंक उछलकर 25,725.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ही लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224.90 अंक बढ़कर 59,881.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95.80 अंक उछलकर 17,146.70 पर बंद हुआ।

आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में आये उछाल से बाहर ऊपर आया है। वहीं एफएमसीजी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, फार्मा, पीएसई, हेल्थकेयर, इन्फ्रा लाभ में रहे । दूसरी ओर कमोडिटीज, रियल्टी, ऑयलएंडगैस और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एलएंडटी, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, एचसीएल टेक, सन फार्मा, इंडिगो, एसबीआई, टीसीएस, पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे। टाटा स्टील, ट्रेंट, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट पर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले।

शुरुआती कारोबार में मुनाफावसूली के चलते बाजार नीचे आया। सेंसेक्स 83,197 अंक कीगिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 165.35 अंक की गिरावट के साथ 83,111.80 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 25,637 पर खुला और कुछ ही मिनटों में 25,600 के नीचे फिसल गया। बाजार सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ।

मंगलवार को एशियाई शेयरों में मामूली बढ़त हुई।

भारतीय कंपनियों के लिए एआई नौकरियों के बड़े अवसर लेकर आई: नैसकॉम

- नौकरियों में कटौती नहीं होगी, बल्कि कामकाज की प्रकृति बदल जाएगी

नई दिल्ली । उद्योग संगठन नैसकॉम में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रमुख ने कहा कि एआई का तेजी से विकास भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे नौकरियों में कटौती नहीं होगी, बल्कि कामकाज की प्रकृति बदल जाएगी। एआई के बढ़ते उपयोग से भूमिकाओं और कार्यों में परिवर्तन होगा, जिससे पेशेवरों की क्षमताओं की मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत एआई को लागू करने और इसका लाभ उठाने के लिए कौशल निर्माण में तेजी ला रहा है। आने वाले महीनों में लगभग डेढ़ लाख लोगों को एआई आधारित विकास कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर कॉलेजों के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त सुनिश्चित करेगा। यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर एआई के इस्तेमाल के लिए और अधिक पेशेवरों की जरूरत है, और भारत इस मामले में एक मजबूत स्रोत है। अल्प अवधि में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, लेकिन लंबी अवधि में भारतीय कंपनियों को इस तकनीक से लाभ होगा।

भारत में बिजली क्षेत्र में एआई से स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को मिलेगा बढ़ावा: आईईए विशेषज्ञ

- बिजलीकरण बढ़ने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए)के ऊर्जा विशेषज्ञ सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि भारत में बिजली प्रणालियों की जटिलताएँ तेजी से बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि बिजलीकरण बढ़ने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन–की हिस्सेदारी बढ़ी है। इससे बिजली प्रणाली में अस्थिरता और उतार-चढ़ाव बढ़ गए हैं, क्योंकि पहले ज्यादातर बिजली स्रोत स्थिर थे। सिंह ने बताया कि इन जटिलताओं को संभालने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) अहम हो सकती है। एआई बिजली उत्पादन और खपत का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकता है, जिससे नेटवर्क अधिक स्वचालित और स्थिर बन सके।

विशेष रूप से, बैटरी और ऊर्जा भंडारण का प्रबंधन एआई द्वारा बेहतर तरीके से किया जा सकता है, ताकि सौर और पवन ऊर्जा के उतार-चढ़ाव को संतुलित किया जा सके। भारत में परिवर्तनीय बिजली उत्पादन का सटीक पूर्वानुमान बेहद जरूरी है।

सौर और पवन ऊर्जा के लिए हर मिनट मौसम और बादलों की स्थिति पर निगरानी आवश्यक है। एआई सिस्टम इन डेटा को प्रोसेस करके उत्पादन और मांग का संतुलन बनाए रख सकते हैं। सिंह ने बताया कि अब दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य हैं, जो पहले नहीं थे। इसके लिए सिस्टम को अधिक स्वचालित बनाने की जरूरत है। नए बाजार मॉडल और स्मार्ट ग्रिड में एआई तेजी से निर्णय लेने में मदद करेगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की की बढ़त के साथ ही 90.67 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला। हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।

स्पाइस लॉग फूड वर्क के शेयर में उछाल, शेयर पर निवेशकों की नजर

मुंबई । स्पाइस लॉग फूड वर्क के शेयरों में पिछले दिन करीब 5 फीसदी की तेजी देखी गई। दिन की शुरुआत 36.60 रुपए पर हुई, जबकि इंट्रा-डे हाई 40.44 रुपए रहा। दोपहर 1:40 बजे शेयर 40.40 रुपए पर था। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में स्टॉक 24 फीसदी बढ़ा और एक महीने में 10 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज हुई। कंपनी का प्रदर्शन लंबी अवधि में भी आकर्षक रहा है। बीते एक साल में शेयर ने 196 फीसदी का रिटर्न दिया और पिछले पांच साल में इसमें 3,200 फीसदी से अधिक की उछाल आई, जिससे यह मल्टीबैगर साबित हुआ। हाल ही में घोषित तिमाही रिपोर्ट में सालाना आधार पर शुद्ध लाभ 1.04 लाख रुपए से बढ़कर 2.21 लाख रुपए हुआ। हालांकि, तिमाही आधार पर पिछले सितंबर तिमाही की तुलना में मुनाफा 61 फीसदी घट गया।

टी20 वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्वकप से बाहर हुई, जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंची

पल्लेकेले (एजेंसी)। जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच बारिश के कारण मुकाबला रद्द होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट से बाहर हो गयी है। ये इस विश्वकप का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर है। ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के साथ ही ग्रुप बी से श्रीलंका के बाद जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंच गयी है। जिम्बाब्वे-आयरलैंड के बीच मैच नहीं हेने से एक-एक अंक बंट गया जिसके कारण ऑस्ट्रेलिया जहां बाहर हो गयी। वहीं जिम्बाब्वे इस ग्रप बी से क्वालीफाई करने वालद दूसरी टीम बनी।

श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। वहीं जिम्बाब्वे को सुपर-8 राउंड में पहुंचने के लिए सिर्फ एक अंक की जरूरत थी और कैंडी में वह उसे मिल गया। आज यहां सुबह से मौसम खराब था। जिससे ऑस्ट्रेलिया की सभी उम्मीदें टूट गयीं।

साल 2021 में विजेता रही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम पिछले तीन टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। वहीं साल 2009 के बाद से ये ऑस्ट्रेलिया का सबसे खराब प्रदर्शन भी है। इस बार ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज से भी हार का सामना करना पड़ा था। जिम्बाब्वे से अपना पहला ही मैच हारने के बाद, श्रीलंका से हारना ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा झटका रहा।

जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच बारिश के कारण मैच शुरु ही नहीं हो पाया। ऐसे में शाम 5-30 बजे बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया। वहीं ये पहला अवसर है जब जिम्बाब्वे टी-20 विश्व कप इतिहास में दूसरे दौर तक पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में हुए 2022 टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे सुपर-12 ग्रुप में सबसे अंत में रही थी।जिम्बाब्वे अब क्रिकेट विश्व कप के किसी भी प्रारुप में सबसे आगे पहुंच गयी है, इससे पहले 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में वह पांचवें स्थान पर थी और नेट रन-रेट के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंचने से रह गई थी। जिम्बाब्वे अब सुपर-8 राउंड के ग्रुप 1 में ऑस्ट्रेलिया की जगह उतरेगी। यहां उसका सामना भारत, वेस्टइंडीज या 2024 के फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका से होगा। पिछले टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे क्वालीफाई तक नहीं कर पाई थी।

आईसीसी रैंकिंग : दीप्ति शर्मा पिछड़ी, पाकिस्तान की गेंदबाज फिर से नंबर 1 बनीं

दुबई (एजेंसी)। सादिया इकबाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार शानदार परफॉर्मेंस के बाद आईसीसी महिला टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान की लेफ्ट-आर्म स्पिनर आईसीसी महिला प्लेयर रैंकिंग के लेटेस्ट अपडेट में ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड और भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ते हुए टॉप पर वापस आ गई हैं। इकबाल की यह बढ़त साउथ अफ्रीका में पाकिस्तान की हालिया तीन मैचों की टी20आई सीरीज में अच्छे प्रदर्शन की वजह से हुई है, जहां वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं।

इकबाल ने पूरी सीरीज में 5 विकेट लिए, जिसमें बेनोनी में आखिरी मैच में उनका शानदार परफॉर्मेंस 3-18 था जिसने स्टैंडिंग में टॉप पर उनकी वापसी में अहम भूमिका निभाई। उस अहम स्पेल ने रैंकिंग में उन्हें दो पायदान ऊपर चढ़ा दिया जिससे वह 2024 के आखिर में और फिर पिछले साल कुछ समय के लिए उसी पोजीशन पर वापस आ गईं। सदरलैंड ने पिछले महीने ही नंबर 1 रैंकिंग हासिल की थी, लेकिन इकबाल की लगातार अच्छा खेलने और मैच जिताने वाले असर ने अब उन्हें फिर से आगे कर दिया है। ताजा रैंकिंग अपडेट में पाकिस्तान के लिए और भी अच्छी खबर आई। कैप्टन फातिमा सना ने सीरीज के आखिरी मैच में अपने हरफनमौला प्रदर्शन के बाद कई कैटेगरी में बड़ी छलांग लगाई। 22 साल की फातिमा टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 31 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें नंबर पर आ गईं और टी20आई ऑलराउंडरों में भी पांच पायदान ऊपर छठे नंबर पर आ गईं। फातिमा की इस बढ़त को प्रोटियाज के खिलाफ आखिरी मैच में प्लेयर ऑफ द मैच के प्रदर्शन से और बढ़ावा मिला, जहां उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों में नाबाद 47 रन बनाए और दो अहम विकेट भी लिए। उनके हाथों आउट होने वालों में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट भी शामिल हैं, हालांकि प्रोटिया बैटर ने खुद भी थोड़ी बढ़त हासिल की है, और टी20आई बैटिंग रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गईं।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया में अपनी टी20आई सीरीज़ के बारिश से प्रभावित शुरुआती मैच में कई भारतीय गेंदबाजों को उनकी मेहनत का इनाम मिला। रेणुका सिंह 6 स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर, अरुंधति रेड्डी 19 स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर, और श्री चरणी आठ स्थान चढ़कर 39वें स्थान पर पहुंच गईं, जो गेंद से उनके मजबूत योगदान को दिखाता है।

शमी ने रणजी में आठ विकेट लेकर टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं को करारा जवाब दिया है। शमी ने हाथ में पट्टी बांधकर जिस प्रकार 22.1 ओवर में 90 रन देकर आठ विकेट लिए। उससे उनका फार्म और फिटनेस दोनो ही साबित हुए हैं। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शमी की इस गेंदबाजी से ही बंगाल को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ सेमीफाइनल में पहली पारी में 26 रन की बढ़त मिली। अब फाइनल में बंगाल और कर्नाटक का मुकाबला होने की संभावना है। दूसरे और तीसरे दिन शमी ने जबरदस्त गेंदबाजी की। शमी ने पांच विकेट लेने के बाद सटीक लाइन-लेंथ के साथ तीन विकेट और निकाले। इस प्रकार कुल आठ विकेट झटके। इस दौरान उनकी तेज गेंदबाजी में धार देखी गयी।

35 साल की उम्र में, बिना किसी बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद बाद भी शमी ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को उनकी ओर ध्यान देने मजबूर किया है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर और शमी के बीच पिछले एक साल में फिटनेस को लेकर मतभेद रहे हैं। आगरकर का मानना है कि शमी पांच दिवसीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं पर शमी हर बार अपने प्रदर्शन से जवाब देते आए हैं। इस बार भी शायद वह यही दिखाना चाहते हैं। बंगाल ने 249/5 से आगे खेलते हुए 328 रन बनाए। सुदीप घरामी की 146 रनों की पारी खेली जबकि आकिब नबी ने 5/87 लेकर प्रभावित किया। नबी ने इस सीजन में रणजी ट्रॉफी में अपने 50 विकेट भी पूरे किए लेकिन जब जम्मू-कश्मीर ने जवाबी पारी शुरू की, तो मैच पर पूरी तरह शमी हावी रहे। दूसरे दिन नई गेंद से शमी ने शुबहम खजूरिया और यावर हसन को जल्दी आउट कर जम्मू-कश्मीर को 13/2 पर ला दिया और बाद में उन्होंने पारस डोगरा और अब्दुल समद के बीच 147 रनों की खतरनाक साझेदारी को तोड़ा। समद (82) और डोगरा (58) दोनों को आउट कर शमी ने मैच का रुख पलट दिया। डोगरा ने अपनी पारी के दौरान रणजी ट्रॉफी में 10,000 रन भी पूरे किए.

टी20 विश्वकप में आज नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले टी20 विश्कप मैच में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह पहले ही सुपर आठ में पहुंच गयी है। ऐसे में उसके खिलाड़ियों का लक्ष्य इस मैच से अपनी लय को और बेहतर करना होगा। वहीं अब तक रन नहीं बना पाये सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का भी लक्ष्य बड़ी पारी खेलकर फार्म हासिल करना रहेगा। अभिषेक अभी तक खेले दोनो ही मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाये थे। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ अपनी तैयारियों का और पक्का करना चाहेंगे। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर छाये हुए ईशान किशन इस बार भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

ईशान के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही अब तक इस टूर्नामेंट में अभिषेक के असफल होने के बाद भी भारतीय टीम हर मैच जीती है। वहीं तिलक वर्मा भी अपने नाम के अनुरुप खेलते आये हैं। पाक के खिलाफ शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने ईशान के साथ मिलकर पारी संभाली थी। दोनो के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। ऑलराउडर शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने भी पाकिस्तन के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर गेंदबाज में उन्होंने शुरुआती विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। पाक के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाये कप्तान सूर्यकुमार यादव भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव का प्रदर्शन प्रभावी रहा है जो ये इस मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ मैच में भारतीय बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये थे ऐसे में भारतीय टीम नीदरलैंड को कम आंकने की भूल नहीं करेगी। नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं पर फिर भी भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। नीदरलैंड की स्पिन आक्रमण में आर्यन दत्त और रोएलॉफ वैन डेर मेरवे शामिल है जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने परेशानी खड़ी करने का प्रयास करेंगे।

भारत इस मैच सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम दे सकता है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।इस मैच में भारत दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को के अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऐसे में स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के पास रहेगीहैं। नीदरलैंड की टीम इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना चाहेगी। नामीबिया पर जीत के बाद पिछले मैच में उसे अमेरिका से करारी हार मिली थी जिससे वह उबरना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

नीदरलैंड: स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज़, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, जैक लायन-कैशेट, मैक्स ओडोव्ड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, साकिब जुल्फिकार।

निसंका ने हवा में छलांग लगाकर पकड़ा असंभव सा कैच

कोलंबो। श्रीलंका के पाथुम निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में एक ऐसा कैच लिया जिससे सभी हैरान हो गये। निशंका ने ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सेवल का ये कैच हवा में छलांग लगाकर पकड़ा। निसंका को कैच लेते देखकर बल्लेबाजी कर रहे मैक्सवेल को भी अपने आउट होने का भरोसा नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडिया आया है जो काफी पसंद किया गया है। इस कैच को टूर्नामेंट का सबसे अच्छा कैच बताया गया है। इसी के साथ ही मैक्सवेल की 22 रनों की पारी समाप्त हो गयी। मैक्सवेल ने दुशान हेमन्था की गेंद पर शॉट लगाया और गेंद हवा में पाथुम के पास से निकली पर उन्होंने हवा में छलांग लगाते हुए कैच लेने का प्रयास किया और किस्मत से गेंद उनके हाथों में आ गयी। श्रीलंका ने इस मैच में टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया और उसका ये फैसला सही साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाया।

मंधाना को 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर 2025' अवॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को यहां एक कार्यक्रम में 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर 2025' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मंधाना को ये अवार्ड एकदिवसीय विश्व कप 2025 में भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। मंधाना ने साल का सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिये जाने पर खुशी जतायी है। मंधाना भारतीय टीम की उपकप्तान हैं और साल 2025 में उन्होंने काफी रन बनाये थे। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में दूसरी सबसे अधिक शतक लगाने वाली खिलाड़ी हैं। वहीं युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई खिलाड़ी जबकि पैरा एथलीट प्रीति पाल को 2024 पेरिस पैरालंपिक में ट्रैक एवं फील्ड में दो कांस्य पदक जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा पूर्व निशानेबाज अंजलि भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंजलि ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला निशानेबाज रही हैं। पुरस्कार विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज की जूरी ने किया।

टी20 विश्वकप2026 में युवराज सिंह समरा का ऐतिहासिक शतक, न्यूजीलैंड के खिलाफ रचा कीर्तिमान

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में मंगलवार को खेले गए मुकाबले ने टी20 विश्व कप 2026 में एक नई कहानी लिख दी। कनाडा के युवा बल्लेबाज युवराज सिंह समरा ने अपने नाम के अनुरूप ऐसा प्रदर्शन किया कि क्रिकेट जगत हैरान रह गया।

बता दें कि टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में कनाडा क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 173 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। यह मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। कनाडा की पारी की रीढ़ बने 19 वर्षीय ओपनर युवराज सिंह समरा, जिनका नाम भारतीय दिग्गज युवराज सिंह के नाम पर रखा गया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, समरा के पिता बलजीत कमरा ने अपने बेटे का नाम भारत के पूर्व ऑलराउंडर से प्रेरित होकर रखा था। गौरतलब है कि समरा ने महज 58 गेंदों में शतक जड़ते हुए 110 रन बनाए, जिसमें 11

चौके और छह छक्के शामिल रहे। यह पारी न केवल कनाडा की दूसरी सबसे बड़ी टीम स्कोर में अहम रही, बल्कि टी20 विश्व कप इतिहास में किसी एसोसिएट देश के बल्लेबाज का पहला शतक भी बनी।

समरा ने मार्च पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय टी20 में पदार्पण किया था और यह उनका 19वां मुकाबला था। इससे पहले बहामास के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाकर उन्होंने अपनी क्षमता का संकेत दिया था। हालांकि, न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ विश्व मंच पर शतक जमाना उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा क्षण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड इस मुकाबले में सुपर 8 की दौड़ में बने रहने के लिए उतरा था, लेकिन शुरुआती ओवरों में समरा ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए मैट हेनरी और जेम्स नीशम पर दबाव बनाया। कप्तान दिलप्रीत बाजवा के साथ उनकी 116 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप में किसी एसोसिएट टीम द्वारा पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ पहली विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

हालांकि अंतिम तीन ओवरों में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए दो विकेट झटके और रनगति पर अंकुश लगाया, जिससे कनाडा 180 के आंकड़े को पार नहीं कर सका। इसके बावजूद समरा की पारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि उभरती टीमें अब बड़े मंच पर चुनौती देने के लिए तैयार हैं और युवा प्रतिभाएं वैश्विक क्रिकेट संतुलन को बदलने की क्षमता रखती हैं।

गावस्कर, कपिल सहित दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों ने पाक सरकार को पत्र लिखकर इमरान को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दो पूर्व कप्तानों सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित दुनिया भर के 14 दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान सरकार को एक पत्र लिखकर पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। इमरान दिग्गज क्रिकेटर रहे हैं और उनकी कप्तानी में ही पाक टीम ने साल 1992 में एकमात्र विश्वकप जीता था। संन्यास के बाद राजनीति में आये इमरान प्रभानमंत्री भी रहे है पर आजकल वह भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद है। काल कोठरियों में बंद इमरान की हाल बेहद खराब बतायी जा रही है। उनके परिवार और समर्थकों की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने 73 साल इमरान की चिकित्सा जांच के आदेश दिये थे जिनपर सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता था पर इसकी जगह पर डॉक्टरों की टीम को रावलपिंडी की अडियाला जेल भेज दिया गया। इमरान के खिलाफ खेले गावस्कर और कपिल सहित भारतीय क्रिकेटरों ने उनकी बिगड़ती हालत पर चिन्ता जतायी है। साथ ही कहा कि इमरान की आंखों की रोशनी भी तेजी से जा रही है। पिछले ढाई साल से उनकी खराब सेहत की खबरें आ रही हैं जिससे हम दूखी हैं। हम चाहते हैं कि उनके मानवीय अधिकारों का सम्मान किया जाये और इंसानियत से पेश आया जाये। हमारा मानना है कि इमरान खान जैसे शीर्ष कद के व्यक्ति के साथ एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और वैश्विक खेल हस्ती के रूप में गरिमा और बुनियादी मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।

भारत के विक्रम राठौर लाये श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी में बदलाव : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंका की आईसीसी टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत में भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज कोच विक्रम राठौर और क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर की अहम भूमिका रही है। श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान और कोच कोच सनथ जयसूर्या ने भी इनकी प्रशंसा की है। श्रीलंका की टीम इस बार सुपर–आठ में पहुंची है जबकि पिछले दो टूर्नामेंट में वो ग्रुप स्तर से भी से आगे नहीं बढ़ पायी थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पथुम निसांका ने शतकीय पारी खेलकर टीम को जिताया। इसमें राठौर की कोचिंग और टिप्स की अहम भूमिका रही है। उनके आने से हमारे बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ा है। मैच के बाद जयसूर्या ने कहा कि कहा, 'आर श्रीधर हमारे क्षेत्ररक्षण कोच हैं, वो भारत से हैं। वहीं विक्रम राठौर हमारे बल्लेबाजी कोच हैं। दोनों काफी अच्छे इंसान हैं। अभ्यास के दौरान जो भी हम चाहते हैं, वो सब करते हैं, जो क्षेत्ररक्षण के लिए बहुत अच्छा है। आईपीएल के अनुभव के साथ वो

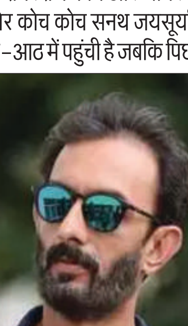

खिलाड़ियों के साथ अच्छी तरह काम कर रहे हैं और टीम को बेहतर बना रहे हैं। उनके आने से हमारे बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ा है।' उन्होंने टीम की दमदार गेंदबाजी की भी तारीफ की। पहले आठ ओवर में 100 रन बनाने के बाद श्रीलंका ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। अपने प्रमुख तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना के हैमस्ट्रिंग इंजरी के बावजूद श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को 20 ओवर में 181 रन पर रोक दिया। मुझे लगता है कि महीश तीक्षणा और बाकी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

प्रतिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल, छह माह बाद टीम में हुई वापसी

मुम्बई। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। प्रतीका टखने की चोट के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रही थीं। उन्हें ये चोट पिछले साल अक्टूबर में हुए एकदिवसीय विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग करते समय लगी थी। इसके बाद उनकी जगह पर शेफाली वर्मा को शामिल किया गया था। भारतीय टीम ने तब विश्वकप जीता था। विश्कप में प्रतिका ने जबरदस्त प्रदर्शन कर 300 से अधिक रन बनाये थे। बीसीसीआई के अनुसार 'महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के लिए प्रतिका को टीम में शामिल किया है क्योंकि इस बल्लेबाज ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और वह अब पूरी तरह से फिट हैं।'

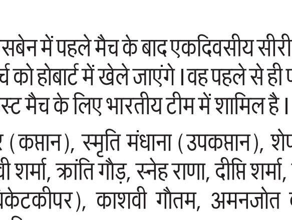

ब्रिसबेन में पहले मैच के बाद एकदिवसीय सीरीज के अन्य दो मैच 27 फरवरी और एक मार्च को होबार्ट में खेले जाएंगे। वह पहले से ही पर्थ में छह मार्च से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल है।

टीम इस प्रकार है : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल और प्रतिका रावल।

दुबई पैरा एथलेटिक्स 2026 : भारत का परच, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन F64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन F41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो F51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर T35 में स्वर्ण और 200 मीटर T35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।'

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन F34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की। अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में रिंकू हुड्डा (जेवलिन F46), वरुण सिंह भाटी (हाई जंप T42), दिलीप महादू गावित (400 मीटर T46) और साहिल सलीम सैय्यद (डिस्कस F54/55) शामिल रहे।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सक्कप्पन शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंदा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते।

फाज़ा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

कृषि में चक्रिय अर्थव्यवस्थाः अपशिष्ट से संपदा

बिहान भारत

कृषि अपशिष्ट का उत्पादन प्रति वर्ष बढ़ता जा रहा है। यह एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसके महत्वपूर्ण आर्थिक दुष्प्रभाव भी हैं। भारत में कृषि, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, किंतु खेती, कटाई और प्रसंस्करण के दौरान पर्याप्त मात्रा में अपशिष्ट भी उत्पन्न करती है। कृषि अपशिष्ट के अपर्याप्त और उचित प्रबंधन ना होने के कारण वायु, मिट्टी और जल प्रदूषण की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। देश में प्रतिवर्ष अनुमानित 350 मिलियन टन कृषि अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसमें फसल अवशेष, भूसी, पुआल तथा खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से प्राप्त उप-उत्पाद शामिल हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, भारत के कृषि अवशेषों में प्रतिवर्ष 18,000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादन की क्षमता है। ऊर्जा उत्पादन के अतिरिक्त, इन अवशेषों का उपयोग जैविक उर्वरक बनाने में किया जा सकता है क्योंकि यह पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ऐसे उर्वरक मृदा स्वास्थ्य में सुधार करते हैं और कृषि में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने में सहायक होते हैं।

प्रति वर्ष वैश्विक स्तर पर लगभग 1.3 अरब टन खाद्य पदार्थ व्यर्थ हो जाते हैं, जिनका उत्पादन मानव उपयोग हेतु किया जाता है। साथ ही नगरीय ठोस अपशिष्ट का लगभग एक-तिहाई भाग घरेलू रसोईघरों से उत्पन्न होता है। ऐसे में खाद्य अपशिष्ट, कृषि अवशेष तथा अन्य जैव-अवक्रमणीय नगरीय कचरे जैसे जैविक अपशिष्ट का उचित प्रबंधन नहीं किया जाता, तो यह कूड़ा फेंकने वाले स्थलों पर सड़ता है, कूड़े का पहाड़ तैयार होता है और मीथेन सहित अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इससे होता है। यह वायु और भूजल प्रदूषण को बढ़ावा देता है, दुर्गंध उत्पन्न करता है तथा पर्यावरणीय क्षरण को तीव्र करता है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और अधिक गंभीर हो जाते हैं। अतः भूमि उपयोग, संसाधनों के समुचित उपयोग तथा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन समाधान अब पर्यावरणीय प्राथमिकताओं के साथ-साथ आर्थिक आवश्यकताएँ भी बन गए हैं।

विकास और सततता के संतुलन के लिए चक्रिय अर्थव्यवस्था का निर्माण

अपशिष्ट से संपदा दृष्टिकोण अपनाने का महत्व इस बात में निहित है कि अपशिष्ट को आर्थिक बोझ या पर्यावरणीय समस्या के रूप में नहीं, बल्कि एक मूल्यवान संसाधन के रूप में पुनः परिकल्पित किया जाए। यह अर्थव्यवस्था के भीतर संसाधनों के प्रवाह पर पुनर्विचार की अपेक्षा करता है, जिसमें पुनर्प्राप्ति, पुनः उपयोग और मूल्य की पुनः एकीकृत प्रक्रिया पर विशेष बल दिया जाता है। चक्रिय अर्थव्यवस्था उत्पादों और प्रक्रियाओं के संपूर्ण जीवनचक्र में संसाधन दक्षता बढ़ाने के लिए एक व्यापक एवं विस्तार योग्य मॉडल दृष्टिकोण के रूप में उभरी है।

इसके मूल में यह है कि चक्रियता, उत्पादन और उपभोग के पारंपरिक तरीकों में एक संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका उद्देश्य कच्चे माल, जल और ऊर्जा के दोहन को कम करते हुए प्रत्येक चरण पर अपशिष्ट को समाप्त करना है। यह दृष्टिकोण छह सिद्धांतों पर काम करता है जिसमें शामिल हैं उपयोग को सीमित करना, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, नवीनीकरण, पुनर्प्राप्ति और मरम्मत, जिससे सामग्री लंबे समय तक उत्पादक उपयोग में बनी रहे। इस दृष्टिकोण की एक विशेषता है ह्ववास्तविक पुनर्चक्रणह्व है, जिसमें अपशिष्ट को उसकी गुणवत्ता से समझौता किए बिना उसके मूल रूप में परिवर्तित किया जाता है, जिससे उच्च मूल्य की पुनर्प्राप्ति संभव होती है और निम्न-स्तरीय पुनर्चक्रण से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

चक्रिय अर्थव्यवस्था के सिद्धांत एक व्यवहार्य और दूरदर्शी समाधान प्रस्तुत करते हैं, जो भारत को आर्थिक गतिविधियों और पारिस्थितिक सततता के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायता कर सकते हैं। वर्ष 2050 तक भारत की चक्रिय अर्थव्यवस्था का आकार 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने और इसके द्वारा 1 करोड़ तक रोजगार सृजित करने का अनुमान है।

इसकी पूरी क्षमता को समझने और धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए आर्थिक विस्तार को पर्यावरण संरक्षण के साथ समन्वित करना आवश्यक होगा तथा प्रकृति की कुशल और सुव्यवस्थित पुनर्चक्रण प्रणालियों से सीख लेनी होगी। ऐसी प्रणालियाँ संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और न्यूनतम अपशिष्ट का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं और इस प्रकार सतत विकास के लिए एक आदर्श प्रारूप प्रदान करती हैं।

कृषि अपशिष्ट के उत्पादन से उपयोग तक की समझ

कृषि से जुड़े अपशिष्ट का उत्पादन खेत से लेकर भोजन की थाली तक की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान होता है। इसमें फसल अवशेष, पशु मल, प्रसंस्करण उप-उत्पाद तथा फसल उत्पादन, पशुपालन, कटाई उपरांत प्रबंधन और अनाज, फल, सब्जियाँ, गन्ना, तिलहन एवं दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट तत्व शामिल होते हैं।

फसल अवशेष / पराली: कृषि अपशिष्ट चक्र की शुरूआत कटाई के बाद के चरण से होती है, जब फसलें अपने पीछे तने, भूसा और पराली जैसे अवशेष छोड़ जाती हैं। इस जैव-भार का एक बड़ा हिस्सा पशु चारे, कम्पोस्ट, बायोगैस, मल्च या ईंधन के रूप में रचनात्मक ढंग से उपयोग में लाया जाता है। जबकि पराली का एक महत्वपूर्ण भाग अभी भी अगली फसल के लिए खेतों को जल्द से जल्द तैयार करने की उम्मीद में खेत में ही जला दिया जाता है। अवशेष को जलाए जाने से खेत की मिट्टी के पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, मृदा स्वास्थ्य का ह्रास तथा ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है।

बायोमास क्या है?

बायोमास उन कार्बनिक पदार्थों को संदर्भित करता है जो जीवित या हाल ही में जीवित रहे पौधों और पशुओं से प्राप्त होते हैं और जिनका उपयोग ऊर्जा, सामग्री या पोषक तत्वों के स्रोत के रूप में किया जा सकता है।

पशु मल, उप-उत्पाद एवं शवः कृषि अपशिष्ट का एक महत्वपूर्ण स्रोत है पशुपालन, विशेषकर भारत में, जहाँ विशाल पशु आबादी के कारण गोबर तथा बिछावन अपशिष्ट की अत्यधिक मात्रा उत्पन्न होती है। रोग प्रकोप की स्थिति में संक्रामक एवं जीव जनित रोगों के प्रसार को रोकने के लिए मृत पशुओं को सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से निपटान करना अत्यावश्यक है। अतः उचित शव प्रबंधन पर्यावरणीय दृष्टि से संतुलित तथा जनस्वास्थ्य-सुरक्षित निपटान पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए अवसंरचना, वित्तपोषण और तकनीकी क्षमता के विस्तार के महत्व को रेखांकित करता है।

कटाई उपरांत होने वाले नुकसान: कटाई उपरांत नुकसान किसी कृषि उत्पाद की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में होने वाली मापी जा सकने वाली कमी को संदर्भित करती हैं। ये नुकसान कटाई उपरांत प्रणाली के किसी भी चरण में उत्पन्न हो सकता है। खाद्य हानियाँ मात्रात्मक हो सकती हैं, जैसे वजन या आयतन में कमी, अथवा गुणात्मक हो सकती हैं, जिनमें पोषक तत्वों की हानि तथा स्वाद, रंग, बनावट या स्वरूप में अवांछनीय परिवर्तन शामिल हैं। कटाई उपरांत आपूर्ति श्रृंखला के बेहतर प्रबंधन से अपव्यय में कमी आएगी, वास्तविक उपभोग में वृद्धि होगी तथा संपूर्ण अर्थव्यवस्था में आय में वृद्धि होगी।

खाद्य अपशिष्ट: खाद्य अपशिष्ट, खेत से उपयोगकर्ता की थाली तक की श्रृंखला के अंतिम चरणों में उत्पन्न होता है, जिनमें बाजार, खुदरा विक्रय केंद्र तथा घरेलू स्तर शामिल हैं, जहाँ खाने के लिए तैयार भोजन को थाली में छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार का अपव्यय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उल्लेखनीय योगदान देता है। तथापि, उभरती प्रौद्योगिकियाँ खाद्य अपशिष्ट को मूल्य-वर्धित उत्पादों, जैसे अभियांत्रिकीकृत बायोचार, में परिवर्तित कर रही हैं, जिनमें कार्बन का अवशोषण करने, मृदा स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने तथा पर्यावरणीय प्रदूषकों को हटाने की क्षमता है। अपशिष्ट को संसाधन में रूपांतरित करते हुए, खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन कृषि और खाद्य प्रणालियों में चक्रियता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में विकसित हो रहा है।

बायोचार और इंजिनीयर्ड बायोचार क्या है ?

बायोचार एक कार्बन-समृद्ध पदार्थ है, जिसे बायोमास (जैसे फसल अवशेष या लकड़ी के अपशिष्ट) को कम ऑक्सीजन की अवस्था में गर्म करके तैयार किया जाता है। जब इस बायोचार को अभियांत्रिकीकृत किया जाता है, तो इसके विशिष्ट गुणों–जैसे मृदा उर्वरता और जल धारण क्षमता–को बेहतर बनाने तथा पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता को बढ़ाने के लिए इसे अतिरिक्त रूप से उपचारित या संवर्धित किया जाता है।

कृषि में चक्रियता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे उपाय

सरकार कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों में परिवर्तित कर चक्रिय को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न नीतियों का कार्यान्वयन कर रही है। गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (गोबरधन) तथा फसल अवशेष प्रबंधन जैसी पहलें कृषि, पशु एवं खाद्य अपशिष्ट को जैविक खाद में परिवर्तित कर रही हैं।

अपशिष्ट को संपदा में परिवर्तित करने की इन योजनाओं को सहायता दे रही हैं कृषि अवसंरचना कोष (ए आई एफ) तथा पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (ए एच आई डी एफ) [Agriculture Infrastructure Fund (AIF) and Animal Husbandry Infrastructure Development Fund (AHIDF)]और इससे कृषि अपशिष्ट को संपदा में परिवर्तित करने हेतु आवश्यक अवसंरचना का विकास हो रहा है। इसके अतिरिक्त, जल शक्ति मिशन घरेलू एवं औद्योगिक अपशिष्ट जल के गैर-पेय प्रयोजनों, जैसे कृषि, भूमि उपयोगों तथा बागवानी, में पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करता है। ये सभी पहलें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संसाधन पुनर्प्राप्ति, पुनः उपयोग और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर ह्यअपशिष्ट से संपदाह्न दृष्टिकोण की दिशा में कार्य कर रही हैं।

फसल अवशेषों और बायोमास को संसाधन में परिवर्तित करना

गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (गोबरधन): यह योजना गोबर, फसल अवशेष एवं खाद्य अपशिष्ट को कम्प्रेस्ड बायोगैस (सी बी जी) तथा जैविक खाद में परिवर्तित करने हेतु अनेक मंत्रालयों को एकीकृत करती है। वर्ष 2023 में सरकार ने पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से एकीकृत गोबरधन पोर्टल का शुभारंभ किया। 14 जनवरी 2026 तक यह योजना भारत के 51.4% जिलों को आच्छादित कर चुकी थी तथा 979 संचालित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे, जो सतत अपशिष्ट प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर) ने मृदा स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए किसानों को बायोगैस स्लरी के उपयोग हेतु फसल-विशिष्ट दिशानिर्देश विकसित किए हैं।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने योजना के प्रभाव को बढ़ाने हेतु विनियमों को सरल बनाया है तथा लक्षित प्रोत्साहन उपायों की शुरूआत की है। कम्प्रेस्ड बायोगैस (सी बी जी) को कार्बन क्रेडिट व्यापार में सम्मिलित करना, सी बी जी-मिश्रित ईंधनों पर कर रियायत प्रदान करना तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश के अंतर्गत जैविक खाद के लिए सरलीकृत मानदंड लागू करना–इन सभी कदमों ने बायोगैस के प्रसार को गति दी है, निजी निवेश को आकर्षित किया है तथा राष्ट्रीय ह्यअपशिष्ट से संपदाह्न पारितंत्र को सुदृढ़ किया है।

फसल अवशेष प्रबंधन (सी आर एम): सीआरएम पहल का उद्देश्य फसल अवशेषों को खुले में जलाने की घटनाओं को कम करना है, जिसके लिए इन-सीटू प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें अवशेषों को सीधे मृदा में सम्मिलित किया जाता है या मल्च के रूप में उपयोग किया जाता है, तथा एक्स-सीटू प्रबंधन के अंतर्गत अवशेषों को एकत्र कर कम्पोस्टिंग, बायोगैस उत्पादन या जैव-ऊर्जा के लिए प्रयुक्त किया जाता है। ये प्रक्रियाएँ मृदा स्वास्थ्य में सुधार, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन को प्रोत्साहित करती हैं।

कृषि अपशिष्ट को संपदा में बदलने हेतु बुनियादी ढांचे का निर्माण

कृषि अवसंरचना कोष (ए आई एफ): एआईएफ कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिनमें जैविक कृषि से संबंधित गतिविधियाँ भी सम्मिलित हैं। जैविक किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफ पी ओ), प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पी ए सी एस) तथा कृषि उद्यमियों ने एआईएफ के समर्थन का उपयोग कर गोदाम, शीतगृह सुविधाएँ, छंटाई एवं ग्रेडिंग इकाइयाँ तथा प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किए हैं।

- वर्ष 2020-21 में प्रारंभ किए गए एआईएफ के अंतर्गत कटाई उपरांत अवसंरचना तथा कृषक-स्तरीय परिसंपत्तियों के विकास हेतु मध्यम से दीर्घकालिक संस्थागत ऋण प्रदान किया जाता है।
- वर्ष 2025 तक, एआईएफ ने जैविक इनपुट उत्पादन से संबंधित 545 परियोजनाओं को समर्थन प्रदान किया है, जिनके लिए कुल ?850 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जो यह दशार्ता है कि जैविक खेती को पर्यावरणीय दृष्टि से सतत एवं आर्थिक रूप से व्यवहार्य मॉडल के रूप में बढ़ती मान्यता प्राप्त हो रही है।
- इसके अतिरिक्त, 1,13,419 परियोजनाओं के अंतर्गत 66,310 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में कुल 1,07,502 करोड़ रुपये का निवेश संचित हुआ है। एआईएफ के अंतर्गत समर्थित प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:
  - 30,202 कस्टम हायरिंग सेंटर,
  - 22,827 प्रसंस्करण इकाइयाँ,
  - 15,982 गोदाम,
  - 3,703 छंटाई एवं ग्रेडिंग इकाइयाँ,
  - 2,454 शीतगृह परियोजनाएँ, तथा
  - लगभग 38,251 अन्य कटाई उपरांत प्रबंधन परियोजनाएँ।

इन सबके साथ व्यवहार्य सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के सृजन को भी प्रोत्साहित किया गया है। ये पहलें मूल्य संवर्धन में वृद्धि, कटाई उपरांत होने वाले नुकसान में कमी तथा किसानों के लिए आय के उन्नत अवसरों के सृजन में योगदान देती हैं।

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (ए एच आई डी एफ): वर्ष 2020 में सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 15,000 करोड़ रुपये की कोष राशि के साथ एएचआईडीएफ की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य पशुधन मूल्य श्रृंखला में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना है। यह कोष मांस एवं दुग्ध प्रसंस्करण, पशु आहार उत्पादन तथा ह्यअपशिष्ट से संपदाह्न प्रबंधन में निजी एवं सहकारी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु अभिकल्पित है, जिससे पशुपालन क्षेत्र में मूल्य संवर्धन, दक्षता और लचीलापन बढ़ाया जा सके। दुग्ध ईकोसिस्टम में निरन्तरता और चक्रियता को समाहित करने के उद्देश्य से सरकार ने विशिष्ट लक्ष्यों के साथ तीन विशेष बहु-प्रांतीय सहकारी समितियों (एम एस सी एस) के गठन की पहल की है: -

- पशुधन उत्पादकता को बढ़ाने हेतु पशु आहार, खनिज मिश्रण तथा तकनीकी इनपुट की आपूर्ति करना।
- सहकारी मॉडल के माध्यम से जैविक खाद उत्पादन एवं सतत अपशिष्ट उपयोग को प्रोत्साहित करना, जिससे गोबर एवं कृषि अपशिष्ट को जैविक उर्वरक तथा बायोगैस में परिवर्तित किया जा सके।
- मृत पशुओं की खाल, हड्डियों एवं सींगों का वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करना, ताकि उत्तरदायी निपटान के साथ-साथ पशुधन क्षेत्र में अतिरिक्त मूल्य श्रृंखलाओं का सृजन किया जा सके।

यह दृष्टिकोण प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को सहायता प्रदान करता है, अपशिष्ट को न्यूनतम कर चक्रिय को प्रोत्साहित करता है तथा पर्यावरणीय रूप से सतत मृदा इनपुट की बढ़ती मांग को संबोधित करता है, जिससे पशुधन क्षेत्र की लचीलापन क्षमता और दीर्घकालिक सततता सुदृढ़ होती है।

सतत कृषि हेतु जल प्रबंधनः जल शक्ति मिशन के अंतर्गत शुरू की गई पहल

जल शक्ति मंत्रालय, घरेलू और अपशिष्ट जल के उपचार और पुनः उपयोग को बढ़ावा देता है, जिसे कृषि, भू-उपयोग और बागवानी जैसे गैर-पीने योग्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सके। इसके लिए मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, पीएमकेएसवाईझवाटरशेड डेवलपमेंट, और जल शक्ति अभियान जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास करता है। जल शक्ति मंत्रालय, जल संरक्षण और स्रोतों के स्थायित्व पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इसके अंतर्गत वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार, और भूजल पुनर्भरण को प्रोत्साहित किया जाता है। इन प्रयासों से सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ती है, भूजल पर दबाव कम होता है, और कृषि व संबंधित क्षेत्रों में संसाधन-कुशल और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलता है।

अपशिष्ट जल पुनः उपयोग की पहलों के पूरक के रूप में, जल जीवन मिशनझहर घर जल (अगस्त 2019 में प्रारंभ हुआ) ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित और पीने के पर्याप्त पानी तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। इस मिशन के तहत प्रत्येक घर में 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन शुद्ध जल का कार्यशील नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाता है, जिससे भारत के दीर्घकालीन जल सुरक्षा और सतत जल शासन के उद्देश्यों को मजबूती मिलती है।

सतत विकास लक्ष्य (SDG)-संगत चक्रिय कृषि प्रथाएँ

चक्रिय कृषि वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों (एस डी जी) को प्राप्त करने के उद्देश्य से गहराई से जुड़ी हुई है। यह एस डी जी - 2 का समर्थन करती है, जिसका लक्ष्य है भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, पोषण में सुधार करना, और सतत कृषि को बढ़ावा देना।

विशेष रूप से, एस डी जी संकेतक 2.4.1 यह रेखांकित करता है कि कृषि प्रणालियाँ लचीली होनी चाहिए, जो मृदा स्वास्थ्य को सुधारें और रासायनिक उपयोग पर निर्भरता को कम करें। भारत में, खाद बनाना (कंपोस्टिंग), बायोचार (बायोचार) का उपयोग, और जैव-द्रव्य (बायोमास) पुनर्चक्रण जैसी प्रथाएँ इन उद्देश्यों में योगदान देती हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, उत्पादकता में सुधार होता है, और पर्यावरणीय रूप से सतत कृषि को बढ़ावा मिलता है।

इसके अतिरिक्त, चक्रिय कृषि एस डी जी का समर्थन इस प्रकार भी करती है कि यह वैश्विक खाद्य अपव्यय को कम करती है, जो 2022 में 1.05 बिलियन टन तक पहुँच गया था, जिसमें से 60% अपव्यय घरेलू स्तर पर उत्पन्न हुआ।

निष्कर्ष

भारत में कृषि में चक्रिय अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव यह दशार्ता है कि पर्यावरणीय स्थिरता और आर्थिक विकास परस्पर सहायक हो सकते हैं। जब कृषि और खाद्य अपव्यय का स्तर एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत बने रहे हों तो लक्षित नीतियाँ, रणनीतिक अवसंरचना निवेश, और समन्वित संस्थागत कार्रवाई करके अपशिष्ट को ऊर्जा, जैविक इनपुट, जल संसाधन और आजीविका के अवसरों में परिवर्तित किया जा सकता है। प्रमुख पहलें जैसे गोबरधन, फसल अवशेष प्रबंधन कार्यक्रम, कृषि अवसंरचना कोष (ए आई एफ), और पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (ए एच आई डी एफ) यह प्रदर्शित करती हैं कि चक्रिय कृषि मिट्टी की उर्वरता और जल सुरक्षा बढ़ाने तथा कृषि प्रणाली के लचीलेपन को मजबूत करने की क्षमता रखती है। सिद्ध हस्तक्षेपों को व्यापक रूप से अपनाकर, स्थानीय संस्थाओं को सशक्त बनाकर, और आर्थिक प्रोत्साहनों को पारिस्थितिक परिणामों के अनुरूप करके, चक्रिय कृषि दीर्घकालीन खाद्य सुरक्षा, जलवायु लचीलापन, और समावेशी ग्रामीण विकास सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, और कृषि अपशिष्ट को सतत समृद्धि की आधारशिला में बदल सकती है।

प्रमुख बिंदु

- भारत के कृषि अवशेषों में प्रतिवर्ष 18,000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादन की क्षमता है।
- सरकार ने 2018-19 से 2025-26 के बीच फसल अवशेष प्रबंधन पहल के अंतर्गत, 3,926 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है।
- इसके अतिरिक्त, 42,000 से अधिक कस्टम हायरिंग केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा सतत अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु 3.24 लाख मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं।
- गोवर्धन योजना के अंतर्गत, 14 जनवरी 2026 तक 51.4% जिलों में 979 बायोगैस संयंत्र संचालित हैं, जो गोबर, फसल अवशेष और खाद्य अपशिष्ट को स्वच्छ ऊर्जा एवं जैविक खाद में परिवर्तित कर रहे हैं।
- चक्रिय कृषि, सतत विकास लक्ष्यों (एस डी जी) का समर्थन करती है, विशेषकर वर्ष 2022 में उत्पन्न 1.05 अरब टन वैश्विक खाद्य अपशिष्ट की समस्या के समाधान में, जिसमें से 60% घरेलू स्तर से उत्पन्न हुआ था।

देश में एआई में दो सालों में आएगा 200 अरब डॉलर निवेश: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि आने वाले दो वर्षों में भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की पांचों परतों में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश आने की उम्मीद है। जोखिम पूंजी कंपनियां गहन तकनीक स्टार्टअप्स, बड़े समाधान और अनुप्रयोगों, अत्याधुनिक मॉडल्स पर शोध और बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परतों में निवेश कर रही हैं। इस मौके पर केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे।

वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में एक सत्र में कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत यह है कि देश की 51 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों से आती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता के कारण यह संभव हुआ है। एआई के लिए ऊर्जा परत में निवेश का यह बड़ा लाभ भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

उन्होंने एआई के संभावित खतरों को बताते हुए कहा कि वैश्विक नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई का इस्तेमाल अच्छे कार्यों के लिए होना चाहिए और इसके हानिकारक प्रभावों को रोकना जरूरी है। इसके लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि तकनीकी और कानूनी दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत का कृत्रिम बुद्धिमत्ता सुरक्षा संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर ऐसे तकनीकी समाधान तैयार कर रहा है, जो एआई के दुष्प्रभावों को रोक सकें।

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग के सम्मेलन में शामिल न होने पर वैष्णव ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से आने में असमर्थता जताई, लेकिन अपनी वरिष्ठ टीम को भेजा है। एनवीडिया भारत की कई कंपनियों के साथ मिलकर एआई ढांचा और सॉफ्टवेयर के बड़े निवेश कर रहा है। वैष्णव ने कहा कि भारत अपने मजबूत आईटी सेक्टर में तकनीकी बदलाव को रणनीतिक रूप से संभाल रहा है। सरकार, उद्योग और शिक्षा संस्थानों के सहयोग से कर्मचारियों की प्रतिभाओं को निखारना, नई प्रतिभा तैयार करना और भविष्य की पीढ़ियों को तैयार करना प्रमुख उद्देश्य है। एआई आधारित रीस्किलिंग और 100 से अधिक कॉलेजों में पाठ्यक्रम सुधारों के जरिए युवाओं को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार किया जा रहा है।

भारत और फ्रांस ने रक्षा सहयोग समझौता 10 साल के लिए बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की यात्रा पर आईं फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन वॉट्रिन के साथ बेंगलुरु में 69वीं सालाना रक्षा रक्षा संवाद बैठक की। बैठक के बाद बीईएल और फ्रांसीसी कंपनी सैफ्रान ने भारत में हैमर मिसाइल बनाने के लिए समझौता किया।

भारत और फ्रांस के बीच 10 साल का रक्षा सहयोग समझौता बढ़ाने के दस्तावेज पर भारत की तरफ से रक्षा सचिव और फ्रांस की तरफ से इंटरनेशनल रिलेशंस और स्ट्रैटेजी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ने साइन किए। दोनों मंत्रियों ने रणनीतिक साझेदारी के एक अहम पिलर के तौर पर दोनों सेनाओं के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्री इस फ्रेमवर्क का फायदा उठाने पर सहमत हुए कि दोनों तरफ से और बड़े यूरोपियन कॉन्टेक्स्ट में ठोस नतीजों के लिए क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेंगे, संयुक्त क्षमता बढ़ाएंगे और हमेशा रहने वाले इंडो-फ्रेंच स्ट्रेटेजिक अलाइनमेंट को मजबूत करेंगे।

भारत में हैमर मिसाइल बनाने के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सीएमडी और सैफ्रान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के लिए ह्यफर्स्ट रिस्पॉन्डरह्ल और ह्यनेट सिक्योरिटी प्रोवाइडरह्ल रहा है और हमेशा उनकी क्षमताओं को बढ़ाने और किसी भी दुश्मन से बचने के लिए डिफेंस, सिक्योरिटी और समुद्री क्षेत्रों में उनकी मदद करता है।

दोनों मंत्रियों ने कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के तकनीकी उद्योगों को जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।आतंकवाद के मुद्दे पर राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान का भारत में अशांति और हिंसा पैदा करने के लिए सीमा पार आतंकवाद को पालने और बढ़ावा देने का एक लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र में शांति के लिए एक गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

बाबा बासुकीनाथ में तमिलनाडु के राज्यपाल ने की पूजा-अर्चना

दुमका(बिभा)। तमिलनाडु के राज्यपाल रविंद्र नारायण रवि ने मंगलवार को बासुकीनाथ धाम में सपरिवार पूजा अर्चना कर भोलेनाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया। तीर्थ नगरी में जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने बाबा मंदिर के गर्भ गृह में विधि-विधान से पूजा अर्चना की। पूजा के बाद मंदिर प्रांगण में बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती सहित अन्य देवी देवताओं की आरती उतारी। इसके बाद डीसी अभिजित सिन्हा ने राज्यपाल को बाबा बासुकीनाथ का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर मंदिर के पंडा धर्म रक्षिणी सभा ने राज्यपाल को बाबा बासुकीनाथ का फोटो और रुद्राक्ष को भेंट किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी रविंद्र नारायण रवि नागालैंड के राज्यपाल भी रह चुके हैं। इधर, राज्यपाल के तीर्थ नगरी में आगमन को लेकर जिला और स्थानीय प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी कर रखी थी। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किया गया था।

रीना सिन्हा सलोनी को स्पेनिन सम्मान देने की घोषणा

जमशेदपुर(बिभा) : रीना सिन्हा सलोनी को स्पेनिन साहित्य गौरव सम्मान (2024-25) प्रदान किए जाने की आधिकारिक घोषणा कि गई है। ये सम्मान साहित्य क्षेत्र में दीर्घकालिक गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्यपरक योगदान के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। इन सम्मानों हेतु गठित जूरी समिति में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक प्रियदर्शी, डॉ. माया प्रसाद एवं सिस्टर डॉ. मेरी ग्रेस सम्मिलित हैं। रीना सिन्हा सलोनी नें हिंदी और भोजपुरी में व्यापक सृजन किया है। उनके काव्य संकलन ह्ल एक दिन अचानक ह्न नें पाठकों का ध्यान आकर्षित किया है और काफी सुर्खियां बटोरी हैं। रीना सिन्हा एक संवेदनशील कवियित्री हैं जिनकी लेखनी स्त्री विमर्श और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर निरंतर चली है। इनकी रचनाएँ देश भर की अलग-अलग पत्रिकाओं और समाचार पत्र में लगातार प्रकाशित होती रही है। मुक्तछंद और छंद बद्ध रचनाओं के अलावा ये आलेख, संस्मरण और कहानियाँ भी लिखती हैं। रीना सिन्हा सलोनी तुलसी भवन साहित्य समिति और अखिल भारतीय साहित्य परिषद जमशेदपुर की सक्रिय सदस्य हैं।

रांची के मैकी रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूजा-अर्चना और विशाल भंडारा आयोजित

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के मैकी रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मंगलवार को भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना और विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में किया गया। वर्ष 1925 में स्थापित यह मंदिर लंबे समय से क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। पूजा की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधिपूर्वक अभिषेक के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक, दूधाभिषेक और पूजन कर अपने परिवार, समाज और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और भक्तिमय हो गया। पूरे आयोजन के दौरान ह्लहर हर महादेवह्व के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा और श्रद्धालु भक्ति में लीन दिखाई दिए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद सुनील यादव ने भी मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की। पूजा के बाद आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। समाजसेवी बी नितेश ने कहा कि यह मंदिर दशकों से स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है और यह आयोजन जीर्णोद्धार के बाद पहला बड़ा धार्मिक कार्यक्रम था, जिसने क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल बनाया। इस धार्मिक आयोजन में पूर्व पार्षद, समाजसेवी और कई गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रमुख रूप से आशुतोष द्विवेदी, राजीव रंजन, ऋषिकेश लाल, अनिल दत्त मिश्रा, विवेक वर्मा, नितेश खन्ना, सुनील भगत, बद्री लाल, प्रत्युश मिश्रा, विनोद कांत मिश्रा, श्याम यादव और मनीष कुमार साहू सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना मजबूत होती है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी नियमित रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

भारत ने 2015 में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल आधारशिला रखी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर निर्भर करती है। इस बात को पहले ही पहचानते हुए भारत ने लगभग एक दशक पहले ही डिजिटल नींव रखना शुरू कर दिया था। 2015 में, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने भारत को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। मंगलवार को भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में स्वास्थ्य क्षेत्र के सही और बोध पहल की शुरूआत के मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की परिकल्पना की गई थी। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए

सरकार ने स्वास्थ्य सेवा के लिए एक सशक्त डिजिटल सार्वजनिक ढांचा स्थापित करने के लिए 2020 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ किया।

प्रगति पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि निरंतर प्रयासों से स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण हुआ है। विभिन्न प्लेटफार्मों पर अंतरसंचालनीय प्रणालियां सक्षम की गई हैं, और नागरिकों को सशक्त बनाने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बड़े पैमाने पर, सहमति-आधारित स्वास्थ्य डेटा ढांचे विकसित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित एआई पहल (सही) के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह सही भारत को नैतिक, पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित तरीके से एआई का लाभ उठाने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि एआई मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण डेटा पर आधारित होता है। बोध एआई प्लेटफॉर्म, जिसे आईआईटी कानपुर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से विकसित किया गया। यह व्यवस्थित परीक्षण की सुविधा देगा। बोध के माध्यम से एआई सिस्टम की विश्वसनीयता जांची जाएगी। बड़े पैमाने पर लागू करने से पहले मानकीकरण सुनिश्चित होगा।

अडाणी समूह एआई सक्षम डेटा केंद्र विकसित करने के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करेगा

नई दिल्ली। अडाणी समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को 2035 तक विकसित करने के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर (9 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा।

अडाणी समूह ने मंगलवार को नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित अत्याधुनिक एआई सक्षम डेटा केंद्रों को विकसित करने के लिए अगले 9 साल यानी 2035 तक 100 अरब यूएस डॉलर का निवेश करने की घोषणा की। यह दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत एनर्जी-कंप्यूट प्रतिबद्धताओं में से एक है। समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने बयान में कहा कि इस पहल से सर्वर निर्माण, क्लाउड मंच एवं सहायक उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होने की उम्मीद है। इससे भारत में 250 अरब डॉलर का अनुमानित एआई अवसंरचना परिवेश तैयार होगा।

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि दुनिया एक ऐसी बुद्धिमत्ता क्रांति में प्रवेश कर रही है, जो पिछली किसी भी औद्योगिक क्रांति से कहीं अधिक गहन है। ऊर्जा एवं कंप्यूटर के बीच सामंजस्य स्थापित करने में निपुण राष्ट्र ही आने वाले दशक को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि भारत नेतृत्व करने के लिए अद्वितीय स्थिति में है। गौतम अडाणी ने कहा कि अडाणी समूह में हम डेटा केंद्रों और हरित ऊर्जा में अपनी मजबूत नींव पर काम करते हुए भारत की प्रौद्योगिकी संप्रभुता पर केंद्रित पांच स्तरीय एआई ढांचे में विस्तार कर रहे हैं। एआई युग में भारत केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा। हम बुद्धिमत्ता के विनिमार्ता, विकासकर्ता एवं निर्यातक होंगे और हमें उस भविष्य में भागीदार होने पर गर्व है।

डीपफेक पर सख्त नियम जरूरी: वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि डीपफेक जैसी तकनीक के संदर्भ में सख्त नियम बनाना बेहद जरूरी है, ताकि बच्चों और समाज को इसके खतरों से बचाया जा सके। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसा साधन है, जिसका उपयोग हर व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चुनौतियों को हल करने और समाज की जरूरतों के अनुसार समाधान बनाने में कर सकता है। अश्विनी वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वाईयूवीएआई तकनीकी नवाचार प्रतियोगिता (हैकाथॉन) में भाग लेने वाले तीन हजार से अधिक छात्रों से बातचीत की। देशभर से आए छात्रों ने स्थानीय भाषाओं और विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित एआई समाधान प्रस्तुत किए। वैष्णव ने इसे जमीनी स्तर पर नवाचार और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन ने वैश्विक स्तर पर बड़ी दिलचस्पी पैदा की है। अगले कुछ सालों में लगभग 17 अरब डॉलर की उद्यम पूंजी निवेश प्रतिबद्धता और करीब 200 अरब डॉलर का बुनियादी ढांचे में निवेश आने की उम्मीद है। यह भारत के एआई तंत्र में दुनिया की गहरी रुचि को दशार्ता है।

एआई आज की दुनिया की जरुरत: भूमि पेडनेकर

एजेंसी

नई दिल्ली। अभिनय की दुनिया में अपना परचम बुलंद करने के बाद भूमि पडनेकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में कदम रख लिया है। मंगलवार को भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वेव्स के पवेलियन में भूमि पेडनेकर ने केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को अपनी फिल्म के बारे में बताया। अपने प्रोडक्शन के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि आज की दुनिया में एआई एक विकल्प नहीं,

बल्कि जरूरत बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्मों की दुनिया में अभिनय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में भी अपने करियर की शुरूआत कर दी है। उन्होंने बताया कि माईया नाम से कंपनी बनाई है, जो एआई के माध्यम से कहानी तैयार करती है, जो रोचक होने के साथ प्रभावशाली होती है। उन्होंने कहा कि फिल्मी दुनिया में माईया एक ऐसी पहल है, जो आज की दुनिया की जरुरत है। अगर हम एआई को नहीं अपनाएंगे तो हम विकास की दौड़ में पीछे रह जाएंगे।

मईया के बारे में भूमि ने बताया कि उनकी कंपनी संस्कृत शब्द 'मईया' से प्रेरित, जिसका अर्थ है भ्रम या जादू। माईया एक एआई बुटीक स्टूडियो है, जहां कला, प्रौद्योगिकी और मानवीय रचनात्मकता कल्पना की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने बताया कि यहां हनुमान चालीसा को एआई के माध्यम से तैयार किया गया है, जिसे आज हम सभी जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके माध्यम से हमने हनुमान चालीसा की पूरी कहानी बताई है जिसे सभी उम्र के लोग पसंद कर रहे हैं।

टाटा स्टील और टाटा स्टील फाउंडेशन ने 600 से अधिक महिलाओं को एआई सखी इमर्शन कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया

जमशेदपुर / भुवनेश्वर / नई दिल्ली: टाटा स्टील और उसकी सामाजिक पहल इकाई टाटा स्टील फाउंडेशन ने झारखंड, ओडिशा और लुधियाना में अपने जमीनी कार्यक्रमों से जुड़ी 600 से अधिक महिलाओं को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अंतर्गत ह्यटाटा एआई सखी इमर्शन प्रोग्रामह्न में भाग लेने का अवसर प्रदान किया।भारत सरकार द्वारा आयोजित और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नेतृत्व में संचालित यह कार्यशाला, टाटा समूह की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर की महिलाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के प्रति सीखने की क्षमता, आत्मविश्वास और गरिमा को सशक्त बनाना है।

सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में स्मृति ईरानी, अध्यक्ष, एलायंस फॉर ग्लोबल गुड, जेंडर, इक्विटी एंड इक्वैलिटी, सीआईआई, की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस

अवसर पर सौरव रॉय, चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, टाटा स्टील फाउंडेशन, सहित सरकारी अधिकारी एवं टाटा समूह की विभिन्न कंपनियों के गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।आज आयोजित सत्र में कुल 1600 प्रतिभागियों में से 635 महिलाओं का एक समूह शामिल हुआ, जिसमें झारखंड से 311, ओडिशा से 315 और लुधियाना से 9 महिलाएँ उपस्थित रहीं।

इस इमर्सिव कार्यशाला में यह समझाया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) किस प्रकार आजीविका बढ़ाने, उद्यमिता और रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए एक व्यावहारिक साधन बन सकती है। यह कार्यशाला फाउंडेशन की ह्यगरिमा के साथ उसकी क्षमता को साकार करनाह्न विजन के अनुरूप है, साथ ही संस्थान को अनेक प्रथम पहल करने वाले अग्रणी उदाहरण के रूप में स्थापित करती है।

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संगठित प्रतिभागियों ने विभिन्न सामुदायिक पहलों का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें स्वास्थ्य (मानसी+), आजीविका (कृषि), महिला नेतृत्व (दिशा), सामुदायिक उद्यम (नवजीवन, सृजनिका और प्रगति) तथा जनजातीय पहचान (संवाद और जोहार हाट सहित) शामिल हैं। यह संगठन के समावेशी विकास के एकीकृत दृष्टिकोण को दशार्ता है। मार्गदर्शित व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से महिलाओं ने व्यवसाय प्रोत्साहन, उत्पाद डिजाइन, दस्तावेजी सहयोग, जानकारी प्राप्त करने और कौशल विकास के लिए एआई के उपयोग को समझा। प्रशिक्षित मेंटर्स ने छोटे समूहों में सीखने की प्रक्रिया को सहयोग प्रदान किया। यह पहल टाटा स्टील फाउंडेशन की उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसके तहत डिजिटल समावेशन को मौजूदा सामुदायिक क्षमताओं और आजीविका अवसरों के साथ जोड़ते हुए महिला-नेतृत्व वाले विकास को सशक्त किया जा रहा है।

इस अवसर पर सौरव रॉय ने कहाः ह्लटाटा स्टील फाउंडेशन में हमारे कार्यक्रम निरंतर महिलाओं के नेतृत्व और आजीविका को सशक्त बनाने पर केंद्रित रहे हैं, और एआई सखी इमर्शन उसी यात्रा का स्वाभाविक विस्तार है। जमीनी स्तर की महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराकर हम उन्हें आर्थिक अवसरों का विस्तार करने, जानकारी तक पहुंच बढ़ाने और दैनिक चुनौतियों का अधिक आत्मविश्वास के साथ समाधान करने में सक्षम बना रहे हैं। मैं समिट में भाग लेने वाली प्रत्येक महिला के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करता हूँ, क्योंकि यह उनके कार्य और समुदाय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनकी जिज्ञासा और नए माध्यमों को अपनाने की तत्परता ही जमीनी स्तर पर वास्तविक और सार्थक परिवर्तन की प्रेरक शक्ति है।ह्व

समिट में एक विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम जोड़ते हुए, टाटा समूह की विभिन्न पहलों से जुड़ी सभी 1,600 महिला प्रतिभागियों ने तसर सिल्क के शॉल धारण किए, जो जमीनी शिल्पकला और सामूहिक पहचान का प्रतीक हैं। ये शॉल टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा समर्थित उत्पादक समूह ह्यनवजीवनह्न से खरीदे गए, जिससे ग्रामीण कारीगरों के लिए अतिरिक्त आजीविका का अवसर सृजित हुआ और साथ ही राष्ट्रीय मंच पर जनजातीय वस्त्र विरासत को प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

समिट के दौरान प्रतिभागियों को उनकी आकांक्षाओं और डिजिटल समझ के आधार पर अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया। महिला कारीगरों ने एआई आधारित डिजाइन नवाचार और विपणन माध्यमों की संभावनाओं को समझा, जबकि डिजिटल रूप से साक्षर प्रतिभागियों ने सीखा कि एआई किस प्रकार दस्तावेजीकरण, सरकारी योजनाओं तक पहुंच, व्यवसाय प्रोत्साहन और संचार में सहयोग कर सकता है। उन्नत स्तर की प्रतिभागियों ने एआई टूल्स के माध्यम से व्यवसाय विस्तार, व्यक्तिगत रूप से सीखने के मार्ग और पोर्टफोलियो विविधीकरण के अवसरों को भी तलाशा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातु, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com